24 APRIL- CORIYA -BHOOMI-PG-1_Layout 1 4/24/2025 9:09 PM Page 1

तापमान

अधिकतम 41 डिग्री

न्यूनतम 24 डिग्री

हरिभूमि

कोरिया भूमि

बिलासपुर, शुक्रवार 25 अप्रैल 2025

बैकुंठपुर | मनेन्द्रगढ़ | चिरमिरी | खड़गवां | भरतपुर-सोनहत | जनकपुर

4 डिजिटल सेवाओं की पहुंच अब गांव-गांव तक

छ.ग.-प्री.बी.एड. प्रवेश परीक्षा 2025
ऑनलाईन रजिस्ट्रेशन अंतिम तिथि
25/04/2025
(संध्या 5 बजे तक)
बी.एम. कॉलेज
गोकुल नगर, पुलगांव, दुर्ग
8770638793, 9300850065
9340311314, 9303893829

खबर संक्षेप

रुपए मांगने वाला स्वच्छक निलंबित

बैकुण्ठपुर। मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र मनेन्द्रगढ़ में पदस्थ स्वच्छक श्याम कुमार को मृतक अमृत लाल साहू के परिजन से पोस्टमार्टम के लिए अनावश्यक राशि मंगने के गंभीर आरोप में तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। यह कार्रवाई कलेक्टर डी.राहुल वेंकट के निर्देशानुसार और मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के आदेश पर की गई है। 19 अप्रैल को मृतक के परिजन द्वारा इस मामले में शिकायत दर्ज कराई गई थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण तथा अपील) नियम 1966 के नियम 9(2) के तहत श्याम कुमार को निलंबित किया गया है। निलंबन अवधि में उनका मुख्यालय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र बंजी, जिला एमसीबी में निर्धारित किया गया है।

दीपक बने सांसद प्रतिनिधि

पटना। कोरबा संसदीय क्षेत्र की सांसद श्रीमती ज्योत्सना चरणदास महंत ने पटना निवासी दीपक खत्री को नगर पंचायत पटना के लिए अपना प्रतिनिधि नियुक्त किया।

इस संबंध में सीएमओं पटना को भेजे पत्र में उल्लेख किया गया है कि नगर पंचायत के सामान्य सभा की बैठक में उनकी अनुपस्थिति में दीपक खत्री बैठक में भाग लेंगे।

ग्राम खाड़ा की आंचल बनीं डॉक्टर

बैकुण्ठपुर। जिले के ग्राम खाड़ा निवासी भाजपा पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष अनिल साहू की पुत्री आंचल साहू सिम्स मेडिकल कॉलेज बिलासपुर से अपनी पढ़ाई पूरी करने के उपरांत डॉक्टर की डिग्री प्राप्त कर ली। इस पर परिवार में खुशियां भर आई है, वहीं शुभचिंतकों के द्वारा भी उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी जा रही हैं। जानकारी के अनुसार ग्राम खाड़ा निवासी अनिल साहू और श्रीमती लक्ष्मी साहू के पुत्र डॉ.अमनदीप साहू दिल्ली एम्स से अपनी चिकित्सा शिक्षा की डिग्री प्राप्त कर चुका है। चिकित्सा क्षेत्र में इस उपलब्धि से परिवार और गांव में खुशी का माहौल व्याप्त है।

हाइवा की टक्कर से युवक की मौत

अम्बिकापुर। बतौली थाना अंतर्गत ग्राम खड़धोवा निवासी जमुना प्रसाद पैकरा आ. स्व. करम देव (28 वर्ष) गत दिन बाइक से चचेरा भाई विकास की शादी में शामिल होने गया था। शाम को बाइक से अकेले जबकि ऑटो से परिवार के अन्य सदस्य घर लौट रहे थे। जैसे ही बाइक सवार पडली व बीरा मुख्य मार्ग पर पहुंचा तभी विपरीत दिशा से आ रहे हाइवा के चालक ने लापरवाही पूर्वक चलाते हुए टक्कर मार दी। दुर्घटना में बाइक सवार गंभीर चोट लगने से मौके पर ही अचेत हो गया। परिजन ने घायल को रघुनाथपुर अस्पताल में भर्ती कराया। चिकित्सकों ने घायल की हालत गंभीर होने पर मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर कर दिया जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई।

कोरिया-एमसीबी में जल जीवन मिशन का कार्य कछुए की चाल पर

कहीं पानी टंकी खुद प्यासी तो कहीं निर्माण अधूरा

हरिभूमि न्यूज ⏭ बैकुंठपुर

केन्द्र सरकार की महत्वपूर्ण योजना जल जीवन मिशन के तहत प्रत्येक ग्रामीण परिवारों के घरों तक नल से जल पहुंचाने की कवायद कोरिया-एमसीबी जिले में पूरा नहीं हो पाया है, इसके चलते इस भीषण गर्मी में भी कोरिया-एमसीबी जिले के दर्जनों पंचायतों में लोगों के घरों तक पानी नहीं पहुंच पा रहा है, इसके चलते लोगों को अपनी परंपरागत व्यवस्था से ही पेयजल प्राप्त करने की मजबूरी है। वर्तमान में गर्मी बढ़ने के साथ ही कोरिया-एमसीबी जिले के कई पंचायत क्षेत्र के लोगों को दूर से पेयजल लाना पड़ रहा है, इस कार्य में घर की महिलाओं को जल संकट से ज्यादा जूझना पड़ रहा है। कोरिया जिले के बड़वार पंचायत और एमसीबी जिले के बरदर की स्थिति देखकर सहज ही अंदाजा लगाया जा सकता है। उल्लेखनीय है कि केन्द्र सरकार द्वारा वर्ष 2019 में जल जीवन मिशन योजना प्रारंभ किया, जिसका उद्देश्य यह है कि सभी परिवारों के घर तक नल के माध्यम से जल पहुंचाना इस योजना का क्रियान्वयन दिसंबर 2024 तक निर्धारित किया गया था, लेकिन इस डेडलाइन तक कोरिया-एमसीबी जिले के दर्जनों पंचायतों में काम पूरा नहीं हो पाया है और यही कारण है कि कोरिया-एमसीबी जिले के ज्यादातर पंचायतों में लोगों को अपनी व्यवस्था से पेयजल प्राप्त करना पड़ रहा है। इस योजना के लिए अब तक दोनों जिलों में करोड़ों खर्च कर दिए, लेकिन योजना का लाभ ज्यादातर पंचायत क्षेत्रों में नहीं मिल पा रहा है। अब इस योजना को पूरा करने के लिए समय-सीमा बढ़ाकर 2028 तक किया गया है। अब देखना यह है कि उक्त बढे समय-सीमा में कोरिया-एमसीबी जिले के सभी पंचायत क्षेत्रों के लोगों के घरो तक नल से जल पहुंच पाता है या नहीं। बहरहाल कोरिया - एमसीबी जिले के कई ऐसे ग्रामीण क्षेत्र हैं, जहां के लोगों को आज भी असुरक्षित जल स्त्रोतों से पेयजल प्राप्त करने की मजबूरी है।

बड़वार में प्यासी टंकी।

स्टैंड पोस्ट।

बरदर अधूरा निर्माण कार्य।

टंकी है सूखी, कही निर्माण आधा-अधूरा

जल जीवन मिशन के तहत कई पंचायत क्षेत्रों में टंकी निर्माण कार्य पूरा कर लिया गया हैं और लंबा समय बीत जाने के बाद भी निर्मित टंकी में पानी भरने की व्यवस्था पूरी नहीं हो पाई है, ऐसे कई पंचायत है जहां पानी टंकी निर्माण हुए एक-दो वर्ष या अधिक समय बीत गया, लेकिन अब तक टंकी प्यासी है। वहीं कोरिया-एमसीबी जिले के कई पंचायत ऐसे भी हैं, जहां जल जीवन मिशन की टंकी निर्माण कार्य शुरू तो हुआ है, लेकिन वह आधा-अधूरा ही पड़ा है।

नल स्टैंट में बांध रहे मवेशी

जल जीवन मिशन के तहत कोरिया-एमसीबी जिले के विभिन्न पंचायतों में नल से जल हर घर को नहीं मिल पा रहा हैं, लेकिन लगभग प्रत्येक पंचायत क्षेत्रों में जल जीवन मिशन के नल के पोस्ट घरों के सामने देखने को मिल जाएंगे, जहां कई ग्रामीणों के द्वारा अपने गाय-बकरी बांधने में उपयोग कर रहे हैं। वहीं खड़गवां जनपद क्षेत्र के एक गांव में नल का पोस्ट बीच से टूटकर लटका हुआ दिखाई दिया, ऐसे में कार्य पूरा करने के पूर्व ही नल के स्टैंड टूटने लगे हैं।

लाखों फूंके फिर भी सूखे

जल जीवन मिशन के तहत कोरिया-एमसीबी के पंचायत क्षेत्रों में लाखों खर्च कर पानी टंकी बनाई गई एवं पाइप लाइन विस्तार भी किया गया, बावजूद इसके अन्य कार्य पूरा नहीं हो पाने के चलते लोगों को जल जीवन मिशन योजना का लाभ नहीं मिल पा रहा है। स्थिति यह है कि कोरिया-एमसीबी के कई पंचायत ऐसे हैं, जहां लाखों खर्च कर इस मिशन के तहत पानी टंकी का निर्माण कार्य पूरा कर लिया गया है, लेकिन निर्मित पानी टंकी खुद प्यासी है, इसी से समझा जा सकता है कि ग्रामीणों के घरो में नल तक जल कै से पहुंचेगा। मिली जानकारी के अनुसार कोरिया-एमसीबी जिले में ऐसे दर्जनों पंचायत क्षेत्र हैं, जहां जल जीवन मिशन की टंकी खुद ही प्यासी है। इस तरह विभिन्न पंचायतों में लाखों खर्च करने के बाद भी लोगों को अपने हाल पर ही पेयजल व्यवस्था करना पड़ रहा है।

पुलिस गिरफ्त में आरोपी।

म्यूल बैंक खाता देने वाले पांच आरोपी गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭ बैकुंठपुर

कोरिया जिले में साइबर ठगी के मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 5 आरोपियों को गिरफ्तार किया हैं, जिन्होंने अवैध धन के लेन-देन के लिए अपने बैंक खाते साइबर अपराधियों को सौंपे थे। इन खातों के जरिए देश के विभिन्न हिस्सों से ठगी की गई रकम का ट्रांजेक्शन किया गया था।

■ साइबर ठगी में खातों का इस्तेमाल, पुलिस ने किया गिरफ्तार

प्राप्त जानकारी के अनुसार 28 मार्च को साइबर सेल की रिपोर्ट के आधार पर बैंक ऑफ महाराष्ट्र, बैकुंठपुर शाखा से जुड़े 14 संदिग्ध खातों की जांच की गई। जांच में सामने आया कि इन खातों में ठगी की रकम जमा की गई, जिसे खाताधारकों ने जानबूझकर उपलब्ध कराया था। इस मामले में अपराध क्रमांक 119/2025 के तहत धारा 111, 317 (2), 317(4), 317(5) बीएनएस के अंतर्गत मामला दर्ज किया गया। पुलिस अधीक्षक रवि कुमार कुर्रे के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पंकज पटेल और एसडीओपी राजेश साहू के मार्गदर्शन में थाना स्तर पर गठित टीम ने अक्षय कुमार सोनवानी, सुदामा चिकनजूरी, परमेश्वर कुमार कुर्रे, समयलाल अगरिया और सोनू कुमार कसेर को हिरासत में लेकर पूछताछ की। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि उन्होंने रुपए के बदले बैंक खाता खोलकर पासबुक और एटीएम अन्य लोगों को सौंप दिए थे। पुलिस ने सभी आरोपियों को 24 अप्रैल को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया है। प्रकरण में अन्य खाताधारकों और ठगी के सरगनाओं की तलाश के लिए टीम गठित कर जल्द ही गिरफ्तारियां की जाएगी। इस कार्रवाई में उप निरीक्षक अंलगो दास, प्रधान आरक्षक ओम प्रकाश राजवाड़े, आरक्षक दिनेश इड़के, भानुप्रताप सिंह, महेन्द्र पुरी, नारायण नायक और सैनिक भगवान दास की विशेष भूमिका रही।

कोरिया में 100 सड़क सुरक्षा मितान चयनित

कार्यशाला में उपस्थित एसपी रवि कुमार कुर्रे।

बैकुण्ठपुर। जिले में सड़क हादसों में कमी लाने और घायल व्यक्तियों को समय पर चिकित्सा सुविधा दिलाने के उद्देश्य से कोरिया पुलिस द्वारा 100 सड़क सुरक्षा मितानों का चयन किया गया है। गुरूवार को रक्षित केन्द्र बैकुंठपुर के कॉन्फ्रेंस हॉल में एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसमें जिलेभर से आए मितानों को यातायात नियमों व चिन्हों की जानकारी दी गई।

कार्यक्रम में पुलिस अधीक्षक रवि कुमार कुर्रे ने कहा कि भारत में वाहन संख्या अन्य देशों से कम होने के बावजूद सड़क दुर्घटनाएं अधिक हैं, जिसका मुख्य कारण यातायात नियमों की अनदेखी है। उन्होंने कहा कि मितानों को निःस्वार्थ सेवा भावना के साथ कार्य करना होगा और उत्कृष्ट कार्य करने वालों को सम्मानित भी किया जाएगा। उन्होंने सभी चयनित मितानों को परिचय पत्र प्रदान करने की बात कही। कार्यक्रम में उप पुलिस अधीक्षक श्याम मधुकर ने गुड सेमेरिटन कानून की जानकारी देते हुए अधिक से अधिक लोगों को इस दिशा में प्रेरित करने की अपील की। साथ ही उन्होंने सोलेशियम फंड की जानकारी भी दी। इस मौके पर यातायात प्रभारी बीरबल राजवाड़े, एएसआई धनंजय सिंह, किशुन भगत समेत यातायात स्टाफ मौजूद रहे। कार्यक्रम का सफल संचालन यातायात विभाग के नायक डॉ. महेश मिश्रा ने किया। उन्होंने मितानों को सड़क सुरक्षा, यातायात संकेतों और आपातकालीन स्थितियों से निपटने के लिए आवश्यक जानकारियां दीं।

आतंकी घटना के विरोध में शहर में निकली मशाल यात्रा

हरिभूमि न्यूज ⏭ बैकुंठपुर

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए कायराना आतंकी हमले के विरोध में गुरूवार को शहर में देर शाम 7:15 बजे सर्व हिंदू संगठन के आह्वान पर कुमार चौक से विशाल मशाल यात्रा निकाली गई।

■ बड़ी संख्या में शामिल हुए लोग

यात्रा में बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया और आतंकवाद के खिलाफ एकजुटता का संदेश दिया। यात्रा में स्थानीय नागरिकों के अलावा विभिन्न सामाजिक संगठनों, महिलाओं एवं युवाओं की भी काफी संख्या में सक्रिय भागीदारी रही। हाथों में मशाल लिए हुए लोगों ने आतंकबाद मुर्दाबाद, पाकिस्तान मुर्दाबाद जैसे नारों के साथ अपने आक्रोश और देशभक्ति की भावना को प्रकट किया।

देर शाम शहर में निकली मशाल यात्रा।

आज दोपहर तक बंद रहेंगी शहर की दुकानें

पहलगाम में हुए आतंकी हमले के विरोध में छत्तीसगढ़ चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज, कोरिया द्वारा शुक्रवार 25 अप्रैल को प्रातः से दोपहर 12 बजे तक शहर की दुकानें बंद का आह्वान किया गया है। इस बंद को कोरिया व्यापारी संघ का भी पूर्ण समर्थन प्राप्त है। चेंबर के प्रदेश उपाध्यक्ष अजय गुप्ता ने कहा कि हिन्दू श्रद्धालुओं पर हुआ यह नरसंहार बेहद कायरतापूर्ण कृत्य है। पूरा व्यापारी वर्ग इस घटना से आक्रोशित है और इसका विरोध पूरे देश में होना चाहिए।

वहीं प्रदेश मंत्री शैलेन्द्र शर्मा ने व्यापारियों से स्वस्फूर्त भाव से प्रतिष्ठान बंद रखने की अपील की है। यह बंद दिन के 12 बजे तक रहेगा, इसके पश्चात व्यवसाय पुनः शुरू किए जा सकेंगे। कोरिया व्यापारी संघ के जिलाध्यक्ष संजय गुप्ता ने भी व्यापारियों से आग्रह किया है कि वे इस बंद में भाग लें और आतंकवाद के विरुद्ध अपनी एकता प्रदर्शित करें।

मुस्लिम समुदाय ने की आतंकी हमले की निंदा

बैकुण्ठपुर। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम जिले में हुए कायराना आतंकी हमले को लेकर कोरिया जिला मुख्यालय बैकुंठपुर में मुस्लिम समुदाय ने जोरदार विरोध जताया।

इस विभत्स घटना के खिलाफ कुमार चौक पर बड़ी संख्या में मुस्लिम समुदाय के युवा और बुजुर्गों ने एकत्र होकर आतंकियों को सख्त सजा देने की मांग की और भारत सरकार से कड़े कदम उठाने की अपील की। प्रदर्शनकारियों ने इस हमले को मानवता के खिलाफ अपराध बताया और कहा कि देश की एकता, अखंडता और शांति को बिगाड़ने वाले किसी भी तत्व को बख्शा नहीं जाना चाहिए। उन्होंने सरकार से एक बार फिर सर्जिकल स्ट्राइक जैसी ठोस कार्रवाई की पुरजोर अपील की। विरोध प्रदर्शन में पूर्व कांग्रेस जिलाध्यक्ष नजीर अजहर, मुख्तार अहमद, हमीद एडवोकेट, इसरार खान, अरशद खान (छोटे खान), आफताब, सुवेज अहमद नेपालू, परवेज अहमद, तनवीर अहमद, शहबाज आलम, शहीद अशरफी, इरफान मंसूरी, इस्माइल खान, मुतुर्जा मंसूरी, अजहर आरिश, लबी, फैय्याज खान, छोटा बाबू, सहनवाज अहमद, साजिद खान, रियाजउद्दीन भाई, इमरान इम्मु, सुहेल, एहसान सहित कई प्रमुख चेहरे शामिल रहे।

कश्मीर हमले के विरोध में कैंडल मार्च

डोमनहिल। पहलगाम में हुए कायराना आतंकी हमले में 27 निर्दोष नागरिकों की निर्मम हत्या के विरोध में चिरमिरी क्षेत्र के हल्दीबाड़ी यातायात चौराहे सहित विभिन्न स्थानों पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने जोरदार प्रदर्शन किया। महापौर रामनरेश राय और मंडल अध्यक्ष पुरूषोत्तम सोनकर के नेतृत्व में सैकड़ों लोगों ने कैंडल मार्च निकालते हुए पाकिस्तान मुर्दाबाद और आतंकवाद विरोधी नारे लगाए। कैंडल मार्च में युवा, महिलाएं, बच्चे सहित समाज के विभिन्न वर्गों के लोगों ने भाग लिया। सभी ने हाथों में मोमबत्तियां लेकर भारत माता की जय के नारे लगाए। जगह-जगह श्रद्धांजलि सभाएं भी आयोजित की गईं। इनमें शिक्षकों, व्यापारियों और सामाजिक संगठनों ने भाग लिया और आतंकी हमले की कड़ी निंदा की। महापौर श्री राय ने इसे कार्यरता की पराकाष्ठा बताते हुए केन्द्र सरकार से आतंकियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की। इस अवसर पर रघुनंदन यादव, द्वारिका जायसवाल, प्रदीप सालूजा, रीत जैन, कीर्ति वासो रावल, संजय सिंह, राकेश पारासर, रामलखन सिंह, पिंदे सरदार, दुर्जो, उपेन्द्र सिंह, अपूर्वा स्थापक, समाउद्दीन सिद्दीकी, चंदन गुप्ता, बब्लू शर्मा, विजय सिंह, दयानंद सिंह, पार्षद मनोज डे, नरेन्द्र साहू, संजीत सिंह एवं महिला मोर्चा के कार्यकर्ता मौजूद रहे।

स्थानीय कश्मीरी नजाकत ने बचाई थी सभी की जान

चिरमिरी के सभी यात्रियों की आज होगी सकुशल वापसी

हरिभूमि न्यूज ⏭ बैकुंठपुर

एमसीबी जिले के चिरमिरी से पर्यटन पर गए चार परिवारों के 11 सदस्य पहलगाम में हुए आतंकी हमले के दौरान उस क्षेत्र में ही मौजूद थे। यह घटना उस समय सामने आई थी जब कुलदीप स्थापक, हैप्पी बधावन, पूर्व पार्षद शिवांश जैन और भाजपा युवा नेता आशीष अग्रवाल अपने परिवार सहित श्रीनगर समेत जम्मू-कश्मीर के विभिन्न क्षेत्रों की यात्रा पर थे। इस दौरान पहलगाम में आतंकी हमला हो गया, इस बीच स्थानीय कश्मीरी नजाकत भाई की वजह से सभी यात्री पूरी तरह सुरक्षित वहां से निकल सके। सभी ने उनका दिल से आभार जताया है।

बताया जा रहा है कि नजाकत प्रत्येक वर्ष चिरमिरी में गर्म कपड़ों का व्यापार करने आते थे और इनसे पहले से ही परिचित भी थे। विदित हो कि आतंकी हमले की खबर मिलते ही चिरमिरी में परिजन और स्थानीय लोगों की चिंता बढ़ गई थी, लेकिन थोड़ी देर में सूचना मिली कि सभी यात्री घटनास्थल से सुरक्षित दूरी पर पहुंच गए हैं और उन्हें किसी प्रकार की क्षति नहीं पहुंची है, तब सभी लोगों ने राहत की सांस ली थी।

कश्मीरी नजाकत के साथ चिरमिरी के लोग

ताउम्र याद रहेंगी यह घटना

यात्रा के अंतिम दिन सभी पर्यटक श्रीनगर एयरपोर्ट सुरक्षित पहुंचे। 25 अप्रैल शाम तक चिरमिरी वापसी की जानकारी संबंधितों द्वारा दी जा रही है। कुलदीप स्थापक ने बताया कि हमारे साथ 8 दिनों तक नजाकत भाई और हमारे वाहन चालक जावेद अहमद भाई रहे, जिन्होंने न सिर्फ हमारी यात्रा को सहज बनाया बल्कि विदाई के समय नम आंखों से हमें एयरपोर्ट तक पहुंचाकर भावनात्मक विदाई दी। यात्रा की ये यादें उनके लिए जीवनभर की पूंजी बन चुकी हैं और यह घटना ताउम्र याद रहेगी।

श्रमिक पंजीयन शिविर का आयोजन

मनेन्द्रगढ़। कलेक्टर डी. राहुल वेंकट के निर्देश एवं श्रम अधिकारी विनय सिंह ठाकुर के कुशल मार्गदर्शन में 23 अप्रैल को मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर के विकासखंड भरतपुर अंतर्गत ग्राम पंचायत करीं में पंचायत स्तरीय श्रमिक पंजीयन शिविर का आयोजन किया गया।

यह शिविर असंगठित क्षेत्र में कार्यरत श्रमिकों को सामाजिक सुरक्षा के दायरे में लाने और उन्हें शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं से जोड़ने की दिशा में एक सशक्त पहल सिद्ध हुआ। इस शिविर में लगभग 50 श्रमिकों ने सक्रिय सहभागिता दर्ज कराई। इनमें से 22 श्रमिकों का नवीन पंजीयन किया गया, जबकि 19 पूर्व पंजीकृत श्रमिकों का पुनः सत्यापन करते हुए उनकी जानकारियां अद्यतन की गई। श्रमिकों को श्रम विभाग की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई, जिससे वे इन योजनाओं का लाभ उठाकर अपने जीवन स्तर में सुधार ला सकें। शिविर में विशेष रूप से छग सरकार की प्रमुख योजनाएं जैसे मुख्यमंत्री निर्माण श्रमिक सहायता योजना, श्रमिक जीवन सुरक्षा योजना, श्रमिक आवास सहायता योजना, मातृत्व एवं पालन-पोषण सहायता योजना तथा श्रमिक बाल शिक्षा प्रोत्साहन योजना की जानकारी साझा की गई। इन योजनाओं का मूल उद्देश्य श्रमिकों को सामाजिक और आर्थिक सुरक्षा प्रदान करना तथा उनके परिवारों की आधारभूत आवश्यकताओं की पूर्ति सुनिश्चित करना है। यह शिविर न केवल पंजीयन प्रक्रिया को सहज और सरल बनाने का माध्यम बना, बल्कि श्रमिकों में जागरूकता का संचार करते हुए उन्हें यह भी बताया गया कि ये योजनाएं किस प्रकार उनके लिए एक मजबूत सामाजिक सुरक्षा कवच का कार्य करती हैं। कार्यक्रम की सफलता में पंचायत प्रतिनिधियों, श्रम निरीक्षकों एवं विभागीय टीम का योगदान रहा।

खबर संक्षेप

आतंकी और उनके आकाओं को दी जाए कड़ी सजाः शफी

अम्बिकापुर। नगर निगम में नेता विपक्ष शफी अहमद ने जम्मू कश्मीर के पहलगाम में आतंकियों द्वारा किये गए कायराना हमले की कड़ी भर्त्सना की है। उन्होंने कहा इस तरह की घटना अमानवीय, निंदनीय और चिंताजनक है। तीन दिन पहले पाकिस्तान के सेना प्रमुख ने धर्म के आधार पर देश के बंटवारे को लेकर आपत्तिजनक बयान दिया था उसके तुरन्त बाद पाकिस्तान समर्थित आतंकवादियों द्वारा सैलानियों के मजहब पूछ कर उनकी हत्या करने से यह साफ है कि पाकिस्तान परस्त आतंकवादी भारत मे हिन्दू मुसलमान की साझी विरासत में जहर घोल कर भारत को कमजोर करना चाहते है। इन आतंकियों और उनके आकाओं को कड़ी से कड़ी सजा दी जानी चाहिए जिससे दोबारा कोई भारत की ओर आंख उठाकर देखने का दुस्साहस न कर सके। उन्होंने कहा कि यह सीधे तौर पर सुरक्षा में चूक का भी मामला है। इतनी बड़ी संख्या में आतंकवादी सीमा पार कर भारत मे घुस आए और सरकारी तन्त्र को कोई खबर ही नहीं थी। जम्मू कश्मीर में सुरक्षा की जिम्मेदारी केंद्र और अमर अब्दुल्ला सरकार की है। उन्होंने कहा इस हमले में छत्तीसगढ़ के व्यापारी दिनेश मिरानिया सहित मारे गए सभी निर्दोष लोगों के प्रति श्रंद्धाजलि अर्पित करता हूं और ईश्वर से घायलों के जल्द स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं। हमारे सुरक्षाबल इस हमले को अंजाम देने वाले आतंकियों का जल्द खात्मा करेंगे।

एक बेगुनाह की हत्या, समस्त मानवता की हत्या के समान है : रशीद अहमद

अम्बिकापुर। धर्म के नाम पर कश्मीर में की गई कायरतापूर्ण और अमानवीय घटना की जिला कांग्रेस कमेटी अल्पसंख्यक अध्यक्ष रशीद अहमद अंसारी ने घोर निंदा की है। उन्होंने इस प्रकार की हिंसा को न केवल संविधान और मानवता के मूल्यों पर हमला बल्कि देश की एकता और अखंडता के लिए भी गंभीर चुनौती बताया है। उन्होंने कहा कि इस दुखद घटना के खिलाफ अल्पसंख्यक समुदाय का प्रत्येक सदस्य और समूचा हिंदुस्तान एकजुट होकर खड़ा है। हम केंद्र और राज्य सरकार से मांग करते हैं कि दोषियों को कठोरतम सजा देकर ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति को रोका जाए। देश के किसी भी कोने में ऐसी अमानवीय हरकत होती है, तो हम उसका डटकर विरोध और निंदा करेंगे।

पहलगाम आतंकी हमले के दोषियों का हो पूर्णतः सफाया : विजयराज

बिश्रामपुर। भाजपा के अंत्योदय प्रकोष्ठ के पूर्व प्रदेश संयोजक एवं वीएम कालेज ऑफ नर्सिंग के संचालक विजयराज अग्रवाल ने 22 अप्रैल को पहलगाम में मारे गए हिन्दू पर्यटकों की निर्मम हत्या के प्रति संवेदना प्रकट की है। बुधवार को आतंकवादियों द्वारा पर्यटकों पर किए गए हमला पर वीएम कालेज ऑफ नर्सिंग परिसर में एक शोक सभा आयोजित की गई। साथ ही सभी उपस्थित व्यक्तियों द्वारा दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्माओं को अश्रुपूरित श्रद्धांजलि दी गई।इस दौरान विजयराज अग्रवाल ने कहा कि आतंकवादियों द्वारा हिंदू पर्यटकों को उनका नाम पूछ पूछकर मारा गया है, इसका जवाबी हिसाब लेना बहुत जरूरी है। भारत सरकार को इस आतंकी हमले में जिसका भी हाथ हो, चाहे वह पाकिस्तानी हो या स्थानीय व्यक्ति, सभी को खोजकर उन्हें दण्ड देना ही एक मात्र न्याय है। सुनियोजित तरीके से गैर इस्लामिक पर्यटकों को नाम पूछकर निशाना बनाया गया है, इसकी जितनी भी भर्त्सना की जाए, वह कम है। आतंकी और उसको सहयोग देने वाले स्थानीय लोगों को जरूर सजा मिलनी चाहिए। कार्यक्रम में वीएम कालेज ऑफ नर्सिंग के विद्यार्थियों द्वारा हाथ में मोमबत्तियां एवं नारे लिखे तख्तियों द्वारा पाकिस्तान एवं आतंकवादियों के खिलाफ नारेबाजी की गई।

आतंकी हमले के मृतकों को एसडीएम कार्यालय में दी गई श्रद्धांजलि

लखनपुर। जम्मू कश्मीर के पहलगाम में मंगलवार की दोपहर आतंकवादी हमले पर्यटकों की हत्या के बाद एसडीएम, तहसीलदार, नायब तहसीलदार और अधिवक्ता संघ ने तहसील कार्यालय लखनपुर में श्रद्धांजलि दी। इस दौरान सभी ने दो मिनट का मौन धारण कर मृतकों के आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। बता दें कि जम्मू कश्मीर के पहलगाम में बड़ी तादाद में पर्यटक मौजूद थे तभी आतंकवादियों ने हमला कर दिया। आतंकी हमले में दो दर्जन से अधिक लोगों की मौत हो गई 20 से ज्यादा लोग घायल हो गए। मृतकों में यूपी, गुजरात, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, कर्नाटक, तमिलनाडु, उड़ीसा, छत्तीसगढ़ के पर्यटक नेपाल और यूएई टूरिस्ट पर्यटक सहित दो अन्य स्थानीय लोग भी मारे गए। इस दौरान एसडीएम वन सिंह नेताम, तहसीलदार अंकिता पटेल, नायब तहसीलदार उमेश पटेल, अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष शशि पांडे, सुरेंद्र पांडेय, नोटरी कन्हैया साहू, संजीव सेठ, बिहारी सिंह, मंजू श्रीवास्तव, सम्पत सिंह चंदेल, वर्षा पांडेय, देवदत्त सोनी, साक्षी सिंह, लखन सिंह, मुकेश राजवाड़े, सत्यदेव दास, देवेश्वर सिंह सहित अन्य मौजूद थे।

चौक के समीप लोगों की रहती है भीड़, पेयजल के लिए भटकते है लोग

भीषण गर्मी में प्याऊ नहीं खुलने से राहगीर एवं ग्रामीण परेशान

हरिभूमि न्यूज ⏭ मानीचौक

आरजीके सब एरिया क्षेत्र के मानीचौक में प्रत्येक वर्ष एसईसीएल प्रबंधन द्वारा गर्मी के दिनों में निशुल्क प्याऊ जल केंद्र का संचालन किया जाता था, जो इस वर्ष अप्रैल माह के अंतिम सप्ताह तक शुरू नहीं हो सकी है। ऐसे में प्याऊ जल के लिए राहगीर एवं ग्रामीण परेशान और भटक रहे है।

खास बात

- एसईसीएल प्रबंधन द्वारा गर्मी के दिनों में प्याऊ केन्द्र का किया जाता है संचालन

मानीचौक क्षेत्र का हब माना जाता है यहां पर आसपास के दर्जनों पंचायत के ग्रामीण व एसईसीएल कर्मचारी रोजमर्रा का सामान क्रय करने आते है लेकिन उनके लिए एक भी प्याऊ जल की उचित व्यवस्था नहीं है। पिछले कई सालों से आरजीके सबएरिया क्षेत्र द्वारा प्याऊ जल केंद्र का संचालन किया जाता है। एसईसीएल के रेहर, गायत्री, केतकी सहित आमगांव ओसीपी का मुख्य चौक है जहां कोयला लोड ट्रक में सील,त्रिपोली व बिल्टी कार्य के लिए घंटों रुकना पड़ता है। खदान के अधिकारी कर्मचारी इस मार्ग से गुजरते है लेकिन प्याऊ को लेकर कोई गंभीर नहीं है। एसईसीएल के महिला कमेटी द्वारा रेहर खदान के पास प्याऊ जल केंद्र का शुभारंभ किया गया है, साथ ही गायत्री खदान के गेट में प्याऊ जल केंद्र खोला गया है लेकिन वहां पहले से प्याऊ की व्यवस्था है। जबकि गायत्री खदान के सामने पंचायत द्वारा अवैध पार्किंग चलाया जा रहा है लेकिन प्याऊ की व्यवस्था नहीं की गई है जबकि पार्किंग वसूली करने पर पंचायत को प्याऊ की व्यवस्था करना चाहिए था।

इस संबंध में उपसरपंच बोधन सिंह पोर्ते ने बताया कि एसईसीएल कंपनी पिछले 25 वर्षों से इस जगह पर है लेकिन आज तक उसके अधिकारी क्षेत्र की मूलभूत समस्या को समझ नहीं सके। भीषण गर्मी पड़ना शुरू हो गया है लेकिन अभी तक एसईसीएल प्रबंधन द्वारा प्याऊ केन्द्र नहीं खोला गया है जिससे लोगों को पेयजल नसीब नहीं हो पा रहा।

चौक के समीप शो-पीस बना प्याऊ जल केन्द्र।

घरों से पानी मांगकर बुझाते हैं प्यास

मानी चौक के समीप प्याऊ केन्द्र नहीं खोले जाने से इस भीषण गर्मी में लोगों को पेयजल के लिए काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। ऐसे में दूर दराज से आने वाले कुछ लोग तो चौक के समीप दुकान से बंद पानी बॉटल खरीद कर प्यास बुझा लेते है लेकिन जिसके पास पैसा नहीं होता तो वह आसपास पास के घरों से पानी मांग कर प्यास बुझाते है। लोगों का कहना है कि अप्रैल के अंतिम सप्ताह में भीषण गर्मी पड़ना शुरू हो गया है और अभी तो पूरा गर्मी का मौसम बाकी है। ऐसे में प्याऊ केन्द्र नहीं खोला गया तो आने वाले दिनों में राहगीर समेत लोगों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है।

यात्री प्रतीक्षालय की मांग नहीं हुई पूरी

मानी चौक के समीप प्रतीक्षालय नहीं होने के कारण यात्रियों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। दोपहर में कई यात्री बस के इंतजार के लिए चौक समीप पहुंचते है लेकिन यात्री प्रतिक्षालय नहीं होने के कारण यात्री भीषण गर्मी से बचने के लिए पेड़ के नीचे या किसी दुकान में शरण लेने को मजबूर है। क्षेत्र के लोगों ने चौक के समीप यात्री प्रतिक्षालय निर्माण के लिए कई बार मांग की परंतु आज तक मांग पूरी नहीं हो सकी। ग्रामीणों का कहना है कि अपनी मांगों को लेकर सड़कों उतरते है तब बड़े अधिकारी मौके पर आकर समस्या का निजात दिलाने की बात कहते है। लेकिन वर्षो पुरानी यात्री प्रतिक्षालय की मांग आज पूरी नहीं हो सकी।

संस्कार भारती कार्यक्रम बच्चों के लिए अच्छा मंच : उद्धेश्वरी

हरिभूमि न्यूज ⏭ कुसमी

संस्कार भारती कार्यक्रम के तहत सामरी विधायक उद्धेश्वरी पैकरा की मुख्य आतिथ्य में आज सरस्वती शिशु मंदिर प्रांगण में कला एवं साहित्य, गीत भजन एवं नाट्य कला कार्यक्रम का आयोजन किया गया। 10 दिवसीय प्रशिक्षण के उपरांत आज कार्यक्रम के समापन हुआ।

कार्यक्रम की शुरुआत में मां सरस्वती, भारत माता के छायाचित्र पर दीप प्रज्वलित कर शुरुआत की गई। कार्यक्रम में सभी कलाकारों द्वारा संस्कार भारती कार्यक्रम के तहत, चित्रकला, साहित्य, गीत, नाट्य कला प्रस्तुत करते हुए रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति दी। बच्चों के कार्यक्रम ने सभी का मन मोह लिया गया मुख्य अतिथि सामरी विधायक उद्धेश्वरी पैकरा ने संस्कार भारती के तहत कराए जा रहे कार्यक्रम गीत, संगीत, चित्रकला, नाट्य कला की सराहना करते हुए यह कहा कि इस कार्यक्रम से मन में अच्छे अच्छे विचार उत्पन्न होते है। साथ ही सभी कलाकारों को संगीत के माध्यम से एक अच्छा मंच संस्कार भारती कार्यक्रम के तहत प्रदान किया जाता है जो सराहनीय पहल है। सभी कलाकारों द्वारा चित्रकला, साहित्य, गीत, नाट्य कला को बहुत ही अच्छे ढंग से प्रस्तुत किया गया। नगर पंचायत उपाध्यक्ष आनंद जायसवाल ने कहा गया कि संस्कार भारती कार्यक्रम के तहत कुसमी के छोटे छोटे बच्चों को बहुत कुछ सीखने को मिली है। इस दौरान अभिषेक पांडेय, थाना प्रभारी कुसमी ललित यादव, सहदेव राम भगत, केदार प्रसाद गुप्ता, लक्ष्मण सिंह पैकरा, विनोद गुप्ता, राकेश भारती, अर्जुन यादव, गोपाल गुप्ता, राजेश्वर गुप्ता, शशि टोप्पो, कुसुम पैकरा, प्राचार्य संत कुमार तिवारी, सुखनंदन यादव, शशांक दुबे, दिनेश तिवारी, दिनेश यादव, लक्ष्मण यादव, दिनेश राम, पवन कुमार पांडेय सहित बड़ी संख्या में अभिभावक व अन्य उपस्थित थे।

पीएफ व पेंशन से संबंधित मामलों के शीघ्र निपटान हेतु हुई बैठक

बिश्रामपुर। एसईसीएल के निदेशक एचआर बिरंची दास ने 22 अप्रैल को पीएफ व पेंशन से संबंधित मामलों के शीघ्र एवं सुगम निपटान के उद्देश्य से दो महत्वपूर्ण बैठकें ली।

प्रथम बैठक में सेंटर फॉर डेवलपमेंट ऑफ एडवांस्ड कंप्यूटिंग सीडेक तथा सीएमपीएफओ के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ चर्चा करते हुए दास ने सी-केयर्स पोर्टल के माध्यम से पीएफ व पेंशन मामलों का न्यूनतम मानवीय हस्तक्षेप के साथ शीघ्र निपटान सुनिश्चित करने हेतु निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सेवानिवृत्त कर्मियों एवं उनके परिजनों को हर संभव सहायता प्रदान की जाए। बैठक में सी केयर्स पोर्टल के तकनीकी एवं प्रायोगिक पहलुओं की समीक्षा की गई तथा उसमें सुधार हेतु आवश्यक सुझाव साझा किए गए। पोर्टल के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर अधिकारियों के साथ विचार विमर्श किया गया ताकि यह और अधिक सुलभ, भरोसेमंद व परिणामकारी बन सके। दूसरी बैठक में दास ने सीएमपीएफ़ओ बिलासपुर एवं जबलपुर के क्षेत्रीय अधिकारियों के साथ चर्चा करते हुए सीएमपीएफ़ नंबर अलॉटमेंट, पेंशन पेमेंट ऑर्डर एवं संशोधित पीपीओ जारी करने की प्रक्रियाओं में बेहतर समन्वय की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने विधवा पेंशन, पुराने लंबित पीएफ प्रकरण, संशोधित पीपीओ तथा एनसीडब्ल्यू-11 के लागू होने के पश्चात पेंशन पुनरीक्षण से जुड़े मुद्दों के शीघ्र समाधान के निर्देश दिए। बैठक में हरी पचौरी, मोहित वेद, जेएस राय, पीके जैन सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

अमेरा खदान से 50 हजार कीमत का ताम्बायुक्त केबल किया पार

बिश्रामपुर। भूमि के उपलब्धता में लंबे समय से उत्पादन संकट झेल रही एसईसीएल बिश्रामपुर की अमेरा खदान में कोयला चोरी की घटनाओं के साथ अब केबल चोरों की सक्रियता ने प्रबंधन के समक्ष नई मुसीबत खड़ी कर दी है।बताया गया कि मंगलवार की रात्रि पाली में लगभग दो से तीन बजे के बीच बड़ी संख्या में खदान में घुसे कबाड़ चोर गिरोह के सदस्यों ने मेन पंप में लगे 70 एमएम का लगभग चालीस मीटर ताम्बायुक्त केबल को चोरी कर लिया गया है। चुराए गये भारी भरकम केबल की कीमत करीब 50 हजार रुपये बताई गई है,अमेरा खदान के प्रबंधक ने मामले की लिखित रिपोर्ट लखनपुर पुलिस को दी है। बता दें कि खदान क्षेत्रों में इन दिनों कोयला,कबाड़ का काम फिर पूरी रफ्तार के साथ पुनः शुरू हो गया है। वही खदान में तैनात कंपनी के सुरक्षाकर्मियों पर भी कोयला और कबाड़ चोरों से मिलीभगत के आरोप लग रहे हैं।

छग अंत्यावसायी सहकारी वित्त एवं विकास निगम के अध्यक्ष का नगर में हुआ स्वागत

हरिभूमि न्यूज ⏭ बिश्रामपुर

छग राज्य अंत्यावसायी सहकारी वित्त एवं विकास निगम बोर्ड के अध्यक्ष सुरेन्द्र कुमार बेसरा का नगर पंचायत बिश्रामपुर क्षेत्र में आगमन पर कार्यकर्ताओं द्वारा स्वागत किया गया। इसके बाद नगर पंचायत बिश्रामपुर के वार्ड क्रमांक 11 के पार्षद रविशंकर बऊवा के निवास पर एक मंचीय कार्यक्रम में शामिल हुए।

कार्यक्रम के दौरान अपने उद्बोधन में अध्यक्ष सुरेन्द्र कुमार बेसरा ने कहा कि प्रदेश सरकार लगातार लोकहित में कार्य कर रही है। जनता की मांग और शिकायत को जानने के उद्देश्य से सुशासन तिहार का आयोजन प्रदेश भर में किया जा रहा है। उन्होने कहा कि अंत्यावसायी विभाग के माध्यम लोगों को अपना व्यवसाय शुरू करने अवसर अवसर प्राप्त होता है। अधिक से अधिक लोगों को इसका लाभ मिल सके, इसके लिए प्रयास जारी है। इसके अगले पड़ाव की ओर प्रस्थान करते हुए सुरेन्द्र कुमार बेसरा ग्राम कुरवां निवासी संजय गवेल के निवास स्थान पहुंचकर स्थानीय कार्यकर्ताओं और स्वयंसेवकों से भेंट मुलाकात की। इस अवसर पर अनूप सिन्हा, श्यामा पाण्डेय, पिछड़ा वर्ग मोर्चा जिलाध्यक्ष रामानंद जायसवाल, श्रीमती आमवती नेताम, भारती गुप्ति, राजेन्द्र पासवान, सूरज सेठी, शशि मिश्रा, श्यामू साहू, हेमराज, पार्षद विनोद सरबटे, पिंटू, रविन्द्र मानिकपुरी, राजकुमार सिन्हा, राजकुमार मौर्य, रवि सारथी, विमला सिंह, मनोज गुप्ता, अलंकार नायक, निराकार नायक एवं गंगाधरन सहित अन्य मौजूद थे।

सिक्योरिटी एडवाइजर ने केतकी व आमगांव खदान का किया निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज ⏭ बिश्रामपुर

कोल इंडिया के सीनियर सिक्योरिटी एडवाइजर रिटायर्ड डीजी अनिल कुमार पटेरिया ने मंगलवार को देश के पहले एमडीओ मोड में संचालित होने वाले केतकी भूमिगत खदान व आमगांव खुली खदान परियोजना के साथ मेन मैगजीन का निरीक्षण किया। इसके एक दिन पहले सिक्योरिटी एडवाइजर भटगांव क्षेत्र के खदानों का भी निरीक्षण किया।

सीआईएल के सीनियर सेक्यूरिटी एडवाइजर के क्षेत्र के प्रवास पर होने की सूचना पर सूरजपुर कलेक्टर एस जयवर्धन व पुलिस अधीक्षक प्रशांत ठाकुर भी उनसे मुलाकात करने भटगांव रेस्ट पहुंचे थे।मंगलवार को बिश्रामपुर पहुंचने पर सीनियर सेक्यूरिटी एडवाइजर की आगवानी क्षेत्रीय महाप्रबंधक डॉ संजय सिंह ने की।यहां वह बिश्रामपुर पासंग नाला समीप सीआईएसएफ के सुरक्षा में संचालित मेन मैगजीन का निरीक्षण कर यहां की सुरक्षा व्यवस्था को देखा तथा यहां से खदानों में मैगजीन परिवहन की जानकारी लेते हुए प्रबंधन के अधिकारियों को जरूरी दिशा निर्देश दिये।सीनियर सेक्यूरिटी एडवाइजर ने केतकी भूमिगत खदान व आमगांव खदान का भी निरीक्षण किया, यहां उन्होंने दोनों खदानों के कांटा घर सहित बूम बैरियर को परखा, साथ ही खदानों में वाहनों की आवाजाही के एंट्री समेत अन्य आवश्यक प्रबंध का निरीक्षण किया।खबर है कि दोनों जगहों पर निरीक्षण में खदान बूम बैरियर इंट्री में गड़बड़ी मिलने की जानकारी मिली है। हालांकि प्रबंधन के अधिकारियों ने इस बात से साफ इंकार कर इसे रूटीन निरीक्षण बताया है।

सेक्यूरिटी एडवाइजर ने यहां दोनों खदानों में अधिकारियों की बैठक लेते हुए जरुरी निर्देश दिये हैं, उन्होंने खदानों की सुरक्षा को लेकर स्थानीय प्रशासन से सामंजस्य बनाकर चोरी की घटनाओं में अंकुश लगाने की बात कही।बताया गया कि खदानों से कोयला डिस्पैच को लेकर कंपनी ने गाइड लाइन बनाई हुई है जिसका पालन हो रहा है या नहीं इसकी समय समय पर सीआईएल के अधिकारी स्थल की जांच करते हैं।इस दौरान सीनियर सेक्यूरिटी एडवाइजर के साथ एसईसीएल के जीएम ई एंड टी सी शक्तिवेल सहित स्थानीय अधिकारी उपस्थित थे।

गजाधरपुर में नीलगिरि के पेड़ों की अवैध कटाई पर राजस्व अमले ने की कार्रवाई

बिश्रामपुर। ग्राम गजाधरपुर में नीलगिरि के दो पेड़ों की अवैध कटाई और उनके परिवहन का मामला सामने आया है। गौरतलब है कि लटोरी तहसील अंतर्गत ग्राम गजाधरपुर निवासी सोमारसाय द्वारा नीलगिरि के दो पेड़ों को कटवाकर ट्रैक्टर क्रमांक यूपी 12 बीएल 0697 के माध्यम परिवहन कराया जा रहा था। मामले की सूचना मिलते ही लटोरी तहसीलदार सुरेंद्र पैकरा के मार्गदर्शन में राजस्व निरीक्षक व हल्का पटवारी द्वारा ट्रैक्टर को रोका गया।इस दौरान ट्रैक्टर चालक वाहन को छोड़कर भाग गया। इसके पश्चात ट्रैक्टर में लोड अवैध लकड़ी को ट्रैक्टर सहित जब्त कर गजाधरपुर सरपंच वीरेंद्र कुमार के सुपुर्द कर दिया गया है। मामले पर नियमानुसार अग्रिम कार्रवाई की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

पृथ्वी की वास्तविक गुणवत्ता में लगातार हो रही गिरावट

हरिभूमि न्यूज ⏭ अम्बिकापुर

राजीव गांधी शास.स्नातकोत्तर महाविद्यालय के भूगोल विभाग द्वारा पृथ्वी दिवस पर व्याख्यान माला का आयोजन किया गया। व्याख्यान माला में शासकीय महाविद्यालय प्रतापपुर के प्रो.गोपीश्वर साय ने कहा कि प्रकृति के शोषण से पारिस्थितिकी तंत्र के विनाश के फलस्वरूप पृथ्वी की वास्तविक गुणवत्ता में लगातार गिरावट हो रही है।

- पृथ्वी दिवस पर पीजी कॉलेज में हुआ व्याख्यान

जनसंख्या वृद्धि पृथ्वी के अस्तित्व को चुनौती देने में लगा हुआ है। विभागाध्यक्ष डॉ.अनिल कुमार सिन्हा ने कहा कि विगत शताब्दी में मनुष्य ने अपनी प्राविधिक एवं वैज्ञानिक दक्षता के साथ कृषि, सिंचाई, खनन, उद्योग, परिवहन इत्यादि क्षेत्रों में तीव्र विकास किया। दुर्भाग्यवश ऐसा करने में उसने पृथ्वी के प्राकृतिक पर्यावरण का बेहद नुकसान किया। हमारी पृथ्वी का पर्यावरण अनेक भौतिक और जैविक कारकों का एक समेकित तंत्र है जिसमें सभी भौतिक तत्व इस प्रकार क्रिया तथा प्रतिक्रिया करते हैं कि एक प्रकार का संतुलन सदैव बना रहता है किंतु संसाधनों के अति दोहन से इसमें असंतुलन उत्पन्न हो गया है, जो पृथ्वी के अस्तित्व के लिए बेहद खतरनाक है। अतिथि व्याख्याता ओमकार कुशवाहा ने कहा कि मनुष्य अपने पर्यावरण को विकासात्मक क्रिया के लिए उपयोग करता है और ऐसा करते हुए प्राकृतिक तंत्र को भंग करता है। इसे ही पर्यावरण का अवनयन कहा जाता है। अतिथि व्याख्याता डॉ.राजीब जाना ने कहा कि पृथ्वी दिवस का संबंध पर्यावरण के संरक्षण से है। इस संबंध में कार्ययोजना बनाए जाने की आवश्यकता है इनमें प्राकृतिक पर्यावरण के संघटकों में होने वाले रूपांतरण को नियंत्रित करना, पादप और प्राणी स्पीशीज का विनाश तथा प्रतिस्थापन रोकना, रासायनिक उर्वरक, कीटनाशकों के उपयोग को नियंत्रित करना, वायुमंडलीय गैसों के अनुपात में होने वाले परिवर्तन को नियंत्रित करना, क्षयशील संसाधनों का अति शोषण रोकना, औद्योगिक विस्तार तथा नगरीकरण को नियंत्रित करना, खनिज उत्खनन के विस्तार को रोकना है। इस दौरान भूगोल स्नातकोत्तर के सभी विज्ञानी उपस्थित थे। व्याख्यान माला का संचालन स्नातकोत्तर भूगोल परिषद् के अध्यक्ष नितेश पटेल ने किया।

पृथ्वी दिवस पर तुलसी साहित्य समिति ने की काव्यगोष्ठी

अम्बिकापुर। विश्व पृथ्वी दिवस पर तुलसी साहित्य समिति ने केशरवानी भवन में शायर-ए-शहर यादव विकास की अध्यक्षता एवं वरिष्ठ अधिवक्ता ब्रह्माशंकर सिंह, पं.चंद्रभूषण मिश्र मृगांक, केके त्रिपाठी और व्याख्याता सच्चिदानंद पाण्डेय के आतिथ्य में काव्य गोष्ठी की।

ब्रह्माशंकर सिंह ने कहा कि पृथ्वी हमारी माता है। पृथ्वी से हमें अन्न, जल, वायु, रत्न काष्ठ आदि सब प्रकार की जीवनोपयोगी वस्तुएं प्राप्त होती हैं। हम उससे जितना प्राप्त करते हैं उसका एक अंश भी उसे नहीं देते। पृथ्वी के संसाधनों के अत्याधिक दोहन से सबका जीवन संकट में है। वायुमंडल में कार्बनडाय ऑक्साइड की मात्रा में बेतहाशा वृद्धि हुई है। अत्यधिक गर्मी, बाढ़, तूफान, भू-स्खलन, भूकंप आदि प्राकृतिक विपदाओं और हिमखण्डों के पिघलने से प्राकृतिक संतुलन बिगड़ गया है। समय रहते पृथ्वी के संरक्षण के लिए ठोस कदम नहीं उठाया गया तो वह स्थिति दूर नही जब महाप्रलय से संपूर्ण सृष्टि का विनाश हो जाएगा। हमें भोगवादी सभ्यता का परित्याग कर पृथ्वी और प्रकृति के प्रति संवेदनशील दृष्टिकोण अपनाना होगा तथा प्राचीन परम्पराओं की ओर लौटना होगा जो पृथ्वी की रक्षा और स्तुति करती थीं। मानव-जीवन को स्वस्थ, सुखी और समृद्ध बनाने का सूत्र भी इसी से सन्निहित है। गोष्ठी में माधुरी जायसवाल ने धरती को मां कहते है, आशा पाण्डेय ने जलती धरती मांग रही है, अंजू प्रजापति ने कटते रहे हर मोड़ पर, स्वाति टोप्पो ने बूंद-बूंद से भरता धट, आचार्य दिग्विजय सिंह तोमर ने एक पीपल सड़क किनारे, पूनम दुबे वीणा ने तेरी-मेरी बात है, छाया है मधुमास, अम्बरीश अम्बुज ने तुम अपनी जान भी, प्रकाश कश्यप ने आदमी जो मार के जमीर, चंद्रभूषण मृगांक ने बदलता युग, बदलता परिवेश, डॉ.उमेश पाण्डेय ने सुनसान राहों पर कोई मसीहा ही चलता है, राजेन्द्र विश्वकर्मा नाचे गइस नोनी देखा, कृष्णकांत पाठक ने चूमकर हमने जब से उठा ली कलम, मुकुंदलाल साहू ने तुम ही अर्जुन हो सखे, शायर ए-शहर यादव विकास ने हाल दिन का पता नहीं होता रचना सुनाई। गोष्ठी का संचालन माधुरी जायसवाल ने किया। इस दौरान दुर्गाप्रसाद श्रीवास्तव, प्रमोद आदि काव्यप्रेमी उपस्थित रहे। आयोजन को सफल बनाने में केशरवानी वैश्य के ताराचंद गुप्ता, मनीलाल गुप्ता उपस्थित थे।

24-APRIL- JAS-KORIYA-RAG- JANJ- Bhoomi pg-3_Layout 1 4/24/2025 7:32 PM Page 1

'हैदर' से 'राजी' तक, इन फिल्मों की हुई थी शूटिंग

खून से सनी वो जगह, जो हमेशा से रही बॉलीवुड की पसंदीदा लोकेशन

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर का पहलगाम आज निर्दोष लोगों के खून से सना हुआ है। घने जंगलों, नदियों और घास के लंबे मैदानों के चलते यह इलाका बॉलीवुड की पसंदीदा लोकेशन में से एक रही है। इस जगह में अब तक कई पॉपुलर फिल्मों की शूटिंग हुई है आइए जानते हैं कि आखिर कौन सी फिल्में हैं, जिन्हें पहलगाम की खूबसूरत वादियों में शूट किया गया?

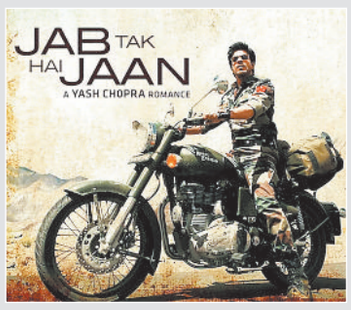

जब तक है जान

शाहरुख खान, कैटरीना कैफ और अनुष्का शर्मा की फिल्म 'जब तक है जान' के कई सीन्स पहलगाम की खूबसूरत वादियों के बीच शूट किए गए थे। इस फिल्म में शाहरुख ने आर्मी ऑफिसर समर आनंद का किरदार निभाया था। वहीं, अनुष्का शर्मा अकीरा राय की भूमिका में नजर आईं।

हैदर

विशाल भारद्वाज के डायरेक्शन में बनी 'हैदर' शाहिद कपूर और श्रद्धा कपूर लीड रोल में नजर आए थे। इस फिल्म के कई सीन भी पहलगाम में फिल्माए गए थे। 'बिस्मिल सॉन्ग' की शूटिंग मार्तंड सूर्य मंदिर में की गई, जो अनंतनाग से पहलगाम के बीच रास्ते में पड़ता है। फिल्म का क्लाइमैक्स भी पहलगाम में शूट हुआ था।

राजी

आलिया भट्ट और विक्की कौशल की 'राजी' के कई सीन्स भी पहलगाम में शूट हुए थे। इस फिल्म में विक्की ने पाकिस्तानी आर्मी ऑफिसर इकबाल का रोल निभाया था। कश्मीरी लड़की सहमत की भूमिका आलिया भट्ट दिखी थीं, जो दिल्ली में पढ़ाई करती है और पिता की तबीयत खराब होने के चलते वापस कश्मीर आती हैं।

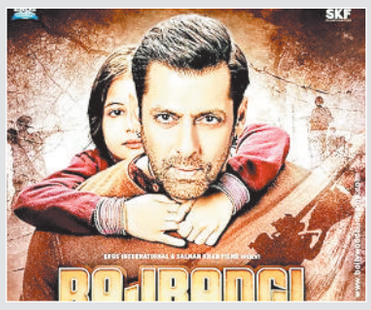

बजरंगी भाईजान

'बजरंगी भाईजान' सलमान खान की पॉपुलर फिल्मों में से एक है। इसके कई सीन पहलगाम में शूट किए गए थे। हिट सॉन्ग 'भर दे झोली मेरी' की शूटिंग बैसारन घाटी में हुई थी। फिल्म की कहानी सलमान और हर्षाली के किरदार मुन्नी के इर्द-गिर्द घूमती है। फिल्म की कहानी एसएस राजामौली के पिता केवी विजयेंद्र प्रसाद ने लिखी थी। यह फिल्म एक ऐसी बच्ची की कहानी है, जो पाकिस्तान में अपने परिवार से बिछड़कर हिंदुस्तान में आ जाती है। इसके बाद सलमान खान का किरदार बच्ची को उसके परिवार से मिलाने के लिए पाकिस्तान जाता है।

हाईवे

इम्तियाज अली की फिल्म 'हाईवे' के सेकंड पार्ट में वीरा और ट्रक ड्राइवर महाबीर कश्मीर पहुंचते हैं और वहां पर एक घर में रहते हैं। उन खूबसूरत वादियों के बीच नई जिंदगी की शुरुआत करने की कोशिश करते हैं। ये पहलगाम से करीब 12 किलोमीटर दूर स्थित अरु घाटी थी।

एक भी मासूम को मारना पूरी कायनात को मारने जैसा...

मुंबई। जम्मू कश्मीर के पहलगाम में बीते मंगलवार को आतंकवादियों ने टूरिस्टों को बर्बर तरीके से मौत के घाट उतार दिया। इस हमले से पूरा देश सदमे में है। जानकारी के मुताबिक इस दर्दनाक हमले में अभी तक 26 मासूमों की जान चली गई है। इस मामले पर देशभर के लोग आक्रोश जाहिर कर रहे हैं। इस घटना पर अक्षय कुमार से लेकर संजय दत्त समेत कई सेलेब्स ने अपनी प्रतिक्रिया दी थी। अब इस दुखद घटना पर शाहरुख खान और सलमान खान जैसे दिग्गज सितारों ने न्याय की मांग करते हुए इस जघन्य अपराध की कड़ी निंदा की है।

कश्मीर नर्क बन रहा

बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता सलमान खान ने अपने एक्स अकाउंट पर लिखा, 'धरती का स्वर्ग कहा जाने वाला कश्मीर नर्क में बदलता जा रहा है। निर्दोष लोगों को निशाना बनाया जा रहा है, मेरी संवेदनाएं उनके परिवारों के साथ हैं। एक भी मासूम को मारना पूरी कायनात को मारने के बराबर है।'

शब्द कम पड़ रहे

अभिनेता शाहरुख खान ने पहलगाम हमले पर कहा, 'पहलगाम में हुई विश्वासघात और अमानवीय कृत्य पर दुख और गुस्से को शब्दों में बयां करना मुश्किल है। ऐसे समय में, हम केवल ईश्वर को ध्यान कर सकते हैं और पीड़ित परिवारों के लिए प्रार्थना कर सकते हैं। साथ ही अपनी गहरी संवेदना व्यक्त कर सकते हैं। हम एक राष्ट्र के रूप में एकजुट होकर मजबूत बनें और इस जघन्य कृत्य के खिलाफ न्याय पाने की कोशिश करें।'

हिंसा के लिए कोई जगह नहीं

बॉलीवुड अभिनेता इमरान हाशमी इस समय अपनी फिल्म ''ग्राउंड जीरो' से चर्चा में हैं, जो कश्मीर में आतंक के मुद्दे पर बनी है। अभिनेता ने पहलगाम आतंका हमले को लेकर अपने एक्स अकाउंट पर ट्वीट किया है। इस ट्वीट में अभिनेता ने लिखा, 'पहलगाम में हुए भयानक आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा करता हूं। हिंसा के लिए हमारे समाज में कोई जगह नहीं है और इस तरह के आतंकवादी कृत्य हमारी ताकत और एकता को हिला नहीं सकते। पीड़ितों और उनके परिवारों के लिए प्रार्थना करता हूं। न्याय की जीत होनी चाहिए।'

सुकून की जगह मिला दुख

अभिनेत्री आलिया भट्ट ने अपने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट किया है, जिसमें उन्होंने पहलगाम हमले पर दुख व्यक्त किया है। इस पोस्ट में उन्होंने लिखा कि पहलगाम से आ रही खबर दिल दहला देने वाली है। वहां घूमने गए लोग खूबसूरती देख रहे थे और सुकून तलाश रहे थे, लेकिन अब उनके जिंदगी में केवल दुख है। उन्होंने इस हमले में मारे गए लोगों को संवेदना दी है।

हैवानों ने मासूम लोगों को निशाना बनाया

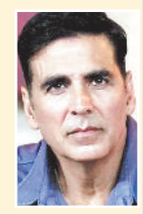

अक्षय कुमार ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम की स्टोरी पर पोस्ट शेयर करते हुए लिखा, 'पहलगाम में खतरनाक आतंकी हमला हुआ है। हैवानों ने मासूम लोगों को निशाना बनाया है। उनके परिवार के लिए प्रार्थना करता हूं।' सोशल मीडिया पर अक्षय कुमार का पोस्ट वायरल हो रहा है।

इन फिल्मों में भी दिखा आतंकवाद का भयावह मंजर

नई दिल्ली। बैसरन घाटी, जिसे 'मिनी स्विट्जरलैंड' के नाम से जाना जाता है, वहां हुए इस हमले में आतंकवादियों ने पर्यटकों पर अंधाधुंध गोलीबारी की। जांच से पता चला कि आतंकवादियों ने धर्म के आधार पर हिंदू पर्यटकों को निशाना बनाया। यह हमला 2019 के पुलवामा हमले के बाद कश्मीर घाटी में सबसे घातक हमलों में से एक है, जिसने आतंकवाद के खतरे को फिर से उजागर किया। इन हमलों की भयावह कहानी कई फिल्मों में भी दिखाई गई है। चलिए जानते हैं उन फिल्मों के बारे में, जिनमें आतंकवाद का भयावह मंजर नजर आया।

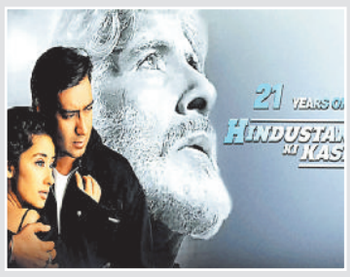

हिंदुस्तान की कसम (1999) : वीरेंद्र सक्सेना द्वारा निर्देशित 'हिंदुस्तान की कसम' कारगिल युद्ध पर आधारित है, जिसमें भारतीय सेना और पाकिस्तान समर्थित आतंकवादियों और घुसपैठियों के बीच संघर्ष को दिखाया गया है। अमिताभ बच्चन और अजय देवगन अभिनीत यह फिल्म देशभक्ति और सैन्य बलिदान की कहानी है।

मिशन कश्मीर (2000) : विद्या विनोद चोपड़ा द्वारा निर्देशित 'मिशन कश्मीर' कश्मीर में आतंकवाद और इसके प्रभावों की कहानी है। फिल्म में एक पुलिस अधिकारी (संजय दत्त) और उसके दत्तक पुत्र (ऋतिक रोशन) के बीच की कहानी दिखाई गई है, जो आतंकवादी बन जाता है।

मां तुझे सलाम (2002) : टीनू वर्मा द्वारा निर्देशित 'मां तुझे सलाम' भारत-पाकिस्तान सीमा पर आतंकवाद और घुसपैठ की कहानी है। सनी देओल अभिनीत यह फिल्म एक सैनिक की कहानी बताती है, जो आतंकवादियों के खिलाफ लड़ता है। फिल्म में देशभक्ति और आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई को जोर-शोर से दिखाया गया है।

ब्लैक फ्राइडे (2004) : अनुराग कश्यप द्वारा निर्देशित 'ब्लैक फ्राइडे' 1993 के मुंबई बम विस्फोटों पर आधारित है, जो दाऊद इब्राहिम और उसके सहयोगियों द्वारा अंजाम दिए गए थे। यह फिल्म हुसैन जैदी की किताब ब्लैक फ्राइडे: द ट्रू स्टोरी ऑफ द बॉम्बे बम ब्लास्ट्स पर आधारित है और आतंकवाद के पीछे की साजिश, जांच और सामाजिक प्रभावों को गहराई से दिखाती है। फिल्म में पुलिस अधिकारी राकेश मारिया (के के मेनन) और आतंकवादी साजिश के किरदारों की कहानी को समानांतर रूप से दिखाया गया है।

तहान (2008) : संतोष सिवन द्वारा निर्देशित 'तहान' एक मासूम बच्चे तहान की कहानी है, जो कश्मीर के आतंकवाद प्रभावित माहौल में अपने पालतू गधे को वापस पाने की कोशिश करता है। यह फिल्म आतंकवाद के बीच मासूमियत, परिवार और सामुदायिक जीवन को दर्शाती है। यह कश्मीर की त्रासदी को भी सामने लाती है।

जीरो डार्क थर्टी (2012) : हॉलीवुड फिल्म 'जीरो डार्क थर्टी' अल-कायदा प्रमुख ओसामा बिन लादेन की तलाश और 2011 में उनकी हत्या पर आधारित है। यह फिल्म आतंकवाद के खिलाफ वैश्विक लड़ाई और खुफिया एजेंसियों की भूमिका को दिखाती है। कैथरीन बिगेलो द्वारा निर्देशित इस फिल्म ने आतंकवाद के वैश्विक नेटवर्क को समझने में मदद की।

होटल मुंबई (2018) : ऑस्ट्रेलियाई-भारतीय सह-निर्माण 'होटल मुंबई' 2008 के मुंबई हमलों (26/11) पर आधारित है, जिसमें लश्कर-ए-तैयबा के आतंकवादियों ने ताज होटल, ओबेरॉय ट्राइडेंट और छत्रपति शिवाजी टर्मिनस जैसे स्थानों पर हमला किया था। फिल्म में देव पटेल और अरमान खान जैसे अभिनेताओं ने होटल स्टाफ और मेहमानों की बहादुरी को दर्शाया, जो आतंकवादियों के खिलाफ जीवटता से लड़े। यह फिल्म मानवीय संवेदनाओं, भय और साहस को उजागर करती है।

टीवी मसाला

अब नेटफ्लिक्स पर खुलेंगे डब्ल्यूडब्ल्यूई के सारे राज

नई दिल्ली। क्या आपने कभी सोचा कि आपके पसंदीदा डब्ल्यूडब्ल्यूई सुपरस्टार्स की कहानियां कैसे लिखी जाती हैं? या फिर रिंग में होने वाली हरकतों के पीछे क्या राज छिपा होता है? अब इन सारे रहस्यों के राज ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर खुलने जा रहे हैं। नेटफ्लिक्स पर डब्ल्यूडब्ल्यूई: अनरियल आ रही है, यह सीरीज आपको उन स्क्रिप्ट मीटिंग्स में ले जाएगी, जहां आइकॉनिक स्टोरीलाइंस का जन्म होता है। साथ ही, उन भावनात्मक उतार-चढ़ाव को भी दिखाएगी, जो सुपरस्टार्स और क्रिएटिव टीम को एकजुट करते हैं या फिर आमने-सामने ला देते हैं। दुनिया की सबसे बड़ी स्पोर्ट्स एंटरटेनमेंट कंपनी डब्ल्यूडब्ल्यूई अब नेटफ्लिक्स पर अपनी अनकही कहानियों के साथ धमाल मचाने को तैयार है। 'डब्ल्यूडब्ल्यूई: अनरियल' पहली बार फैंस को रिंग के बाहर की दुनिया में ले जाएगी, जहां ड्रामा उतना ही मारक है जितना रिंग के अंदर। यह सीरीज डब्ल्यूडब्ल्यूई के उन अनदेखे पहलुओं को सामने लाएगी, जो अब तक पर्दे के पीछे छिपे थे। डब्ल्यूडब्ल्यूई के सुपरस्टार्स की जिंदगी सिर्फ चमक-दमक और ताकतवर मुकाबलों तक सीमित नहीं है।इस सीरीज में आपको उनके जुनून, आपसी टकराव और रचनात्मक संघर्ष देखने को मिलेंगे, जो हर हफ्ते फैंस के लिए रोमांचक स्टोरीलाइंस तैयार करते हैं। राइटर्स रूम में होने वाली गहन चर्चाओं से लेकर बैकस्टेज की तनावपूर्ण बातचीत तक, डब्ल्यूडब्ल्यूई। अनरियल में हर वो पल कैद होगा जो डब्ल्यूडब्ल्यूई को एक अनोखा मनोरंजन बनाता है।

ओटीटी पर रिलीज हो रही है मैड स्क्वायर

नई दिल्ली। साउथ इंडियन फिल्मों के शौकीनों के लिए गुड न्यूज आई है। 2023 की सुपरहिट फिल्म 'मैड' का सीक्वल मैड स्क्वायर अब नेटफ्लिक्स पर रिलीज होने जा रहा है। मैड स्क्वायर 25 अप्रैल को ओटीटी पर रिलीज होगी।

नेटफ्लिक्स इंडिया साउथ ने अपने आधिकारिक एक्स अकाउंट पर इसकी घोषणा करते हुए कहा, 'लड़के दोगुने मस्ती के साथ वापस आ गए हैं! मैड स्क्वायर 25 अप्रैल को नेटफ्लिक्स पर तेलुगु, हिंदी, तमिल, कन्नड़ और मलयालम में देखें।' इस तरह साउथ की फिल्मों को हिंदी में देखने के शौकीन भी इसका भरपूर मजा उठा पाएंगे। ओटीटी प्लेटफॉर्म मैड स्क्वायर को कल्याण शंकर ने डायरेक्ट किया है और यह फिल्म तीन कॉलेज दोस्तों की मजेदार कहानी पर आधारित है।फिल्म में लड्डू और उसके दोस्तों की गोवा वेकेशन की कहानी दिखाई गई है, जो गैंगस्टर और एक चोरी हुए हार के कारण हास्यास्पद मिशन में बदल जाती है।

शाह बानो पर अब बनने जा रही है फिल्म

नई दिल्ली। 1985 में सुप्रीम कोर्ट ने मोहम्मद अहमद खान बनाम शाह बानो बेगम के मामले में एक ऐतिहासिक फैसला सुनाया था जिसे अब 40 साल पूरे हो गए हैं। यह फैसला भारत के सबसे चर्चित और विवादास्पद न्यायिक फैसलों में से एक रहा है। यूनिफॉर्म सिविल कोड. वक्फ बोर्ड ट्रिपल तलाक. शाह बानो. ये सिर्फ सुर्खियां नहीं हैं। ये उस दौर की गूंज हैं जब अदालत का एक मामला जनमत का तूफान बन गया, देश की धर्मनिर पेक्षता की कसौटी बना, जिसने एक लंबी बहस को जन्म दिया: समानता बनाम पहचान. खबरें हैं कि शाह बानो केस और ऐसे अन्य मामलों से प्रेरित एक शक्तिशाली फीचर फिल्म बन रही है, जिसका निर्देशन सुपर्ण वर्मा कर रहे हैं। फिल्म में यामी गौतम और इमरान हाशमी मुख्य भूमिकाओं में हैं।

एक एसएमएस जिसने बदल दी जिंदगी...

नई दिल्ली। 15 फरवरी 2008 को बॉलीवुड की आइकॉनिक फिल्म जोधा अकबर रिलीज हुई थी, जिसमें राजपूत राजकुमारी जोधा और मुगल सम्राट अकबर की कहानी को दिखाया गया था और लीड रोल में ऐश्वर्या राय और ऋतिक रोशन नजर आए थे। दोनों ने इस फिल्म में आइकॉनिक रोल प्ले किया था। साल 2008 में रिलीज हुई फिल्म जोधा अकबर में ऐश्वर्या राय ने आईकॉनिक रोल प्ले किया था, लेकिन बहुत कम लोग जानते हैं कि ऐश्वर्या राय को कास्ट करने के लिए फिल्म के डायरेक्टर आशुतोष गोवारिकर ने उन्हें एक एसएमएस भेजा था, जिसमें पूछा गया था क्या आप मेरी जोधा बनेंगी? इसके जवाब में ऐश्वर्या राय ने लिखा था हां मैं बनूंगी और उसके बाद एक स्माइली उन्हें सेंड की थी। यह फिल्म ऐश्वर्या राय की करियर की टॉप फिल्मों में से एक रही थी।

हासिल किया ऑस्कर का स्पेशल अवॉर्ड

सत्यजीत रे की ये खासियतें उन्हें बनाती हैं सिनेमा का जीनियस...

नई दिल्ली। सत्यजीत रे, ये वो नाम है जिसे न सिर्फ भारतीय सिनेमा, बल्कि पूरी दुनिया की सिनेमा का जीनियस कहा जाता है। सत्यजीत रे की फिल्मों से आज भी लोग सीखते हैं और हॉलीवुड के निर्देशक भी सत्यजीत रे के निर्देशन के तरीकों को अपनी फिल्मों के निर्माण में इस्तेमाल करते हैं। भारतीय सिनेमा को एक अलग दृष्टिकोण देने वाले सत्यजीत रे को सिनेमा का चलता-फिरता इंस्टीट्यूट कहा जाता है। उन्होंने उस वक्त में अपनी फिल्मों में वह प्रयोग किए जो शायद आज 21वीं सदी में भी करने से निर्देशक घबराएं। सामाजिक मुद्दों से लेकर राजनीति और महिलाओं पर आधारित फिल्में बनाना रे की यूएसपी थी। सत्यजीत रे उस दौर में इतनी सटलता से पॉलिटिकल कमेंट्री कर जाते थे कि समझने वाले उसे समझ भी जाते थे और कोई शोर भी नहीं होता था। सत्यजीत रे वो निर्देशक थे जो सिनेमा को शब्दों से भी बड़ा हथियार मानते थे और इसीलिए वो अपनी फिल्मों के दृश्यों में डायलॉग से भी गंभीर बात कर जाते थे। यही वजह है कि आज भी उनकी फिल्में सिनेमा के छात्रों के लिए एक बेहतरीन गाइड का काम करती हैं।

'पाथेर पांचाली'से लोगों का बदल दिया नजरिया

सत्यजीत रे मशहूर निर्देशक होने के साथ-साथ महान लेखक, कलाकार, चित्रकार, फिल्म निर्माता, गीतकार और बुक कवर डिजाइनर व कॉस्ट्यूम डिजाइनर भी थे। सबसे हैरान करने वाली बात ये है कि सिनेमा का इंस्टीट्यूट कहे जाने वाले सत्यजीत रे ने खुद कहीं से भी फिल्म मेकिंग की शिक्षा नहीं ली थी। उन्होंने सिर्फ हॉलीवुड की फिल्में देख-देखकर ही सबकुछ सीखा और अपनी पहली फिल्म 'पाथेर पांचाली'से ही फिल्मों को लेकर लोगों का नजरिया बदल दिया। ये सत्यजीत रे के निर्देशन की काबिलियत और फिल्मों को लेकर उनकी अद्भुत सोच का ही नतीजा है कि उन्हें 'ऑस्कर ऑनरी अवॉर्ड' से सम्मानित किया गया है। इस अवॉर्ड को जीतने वाले सत्यजीत रे अभी भी इकलौते भारतीय ही हैं। इसके अलावा सत्यजीत रे को दादा साहब फाल्के अवॉर्ड समेत रिकॉर्ड 37 नेशनल अवॉर्ड मिले हैं। 23 अप्रैल 1992 को इस दुनिया को अलविदा कहने वाले हिंदी सिनेमा के जादूगर सत्यजीत रे की आज 33वीं पुण्यतिथि है। इस मौके पर जानते हैं सत्यजीत रे के फिल्म निर्माण की वो बातें जो उन्हें बाकियों से अलग करती हैं और उन्हें सिनेमा का संस्थान बनाती हैं।

सामाजिक विषयों व मुद्दों की बात करना

सत्यजीत रे की फिल्में सामाजिक मुद्दों पर बात करती हैं और अपनी कहानी के जरिए रे समाज की उन समस्याओं को उठाते थे, जिन्हें शायद उस समय के बाकी फिल्ममेकर उठाने की सोच भी नहीं सकते। इसका नमूना उन्होंने अपनी पहली ही फिल्म 'पाथेर पांचाली' में दे दिया था। इसके बाद भी उन्होंने जलसाघर, चारुलता, देवी और शतरंज के खिलाड़ी जैसी फिल्मों के जरिए सामाजिक मुद्दों को प्रमुखता से उठाया।

मानवीय संवेदनाएं और संबंधों पर जोर

सत्यजीत रे की फिल्मों में मानवीय संवेदनाओं और रिश्तों की अहमियत की प्रमुखता देखने को मिलेगी। उन्होंने अपनी फिल्मों के माध्यम से प्रेम, दुख, आशा और निराशा जैसी भावनाओं को दर्शाया, जो दर्शकों को भावनात्मक रूप से जोड़ती हैं। साथ ही उन्होंने मानवीय रिश्ते और उनमें पैदा होने वाली जटिलताओं को भी बड़े ही सलीके से पेश किया है।

महिला केंद्रित फिल्में और महिलाओं के दमदार किरदार

सत्यजीत रे ने 50 और 60 के दशक में महिलाओं पर आधारित फिल्में बनाईं और अपनी फिल्मों में महिलाओं के दमदार किरदार दिखाए। जिस वक्त में सिनेमा का मतलब हीरो और हीरो का मतलब पुरुष एक्टर होता था, उस दौर में सत्यजीत रे ने एक नहीं बल्कि कई फिल्मों में महिलाओं की कहानी और उनके संघर्ष को बखूबी दिखाया। जिस समय भारतीय फिल्मों में महिलाओं के लिए मौजूद विशिष्ट भूमिका या तो ग्लैमर व शारीरिक प्रदर्शन या आंखों को सुकून देने वाली होती थी, उस वक्त में रे ने इस परंपरा को तोड़ा। उन्होंने महिला किरदारों को मजबूती से पेश किया और उनके संघर्षों को दिखाया। इस फेहरिस्त में 'देवी', 'चारुलता', 'महानगर' और 'घरे बाइरे' जैसी उनकी फिल्में शामिल हैं।

हमने तरक्की की है और भी गुंजाइश है : आमिर

मुंबई। हिंदी सिनेमा पिछले कुछ वक्त से बुरे दौर से गुजर रहा है। बॉक्स ऑफिस पर हिट फिल्मों की तुलना में फ्लॉप फिल्में ज्यादा आ रही हैं। हिंदी सिनेमा के मुकाबले क्षेत्रीय फिल्में अच्छा कर रही हैं। इस पर मिस्टर परफेक्शनिस्ट आमिर खान ने अपनी बात रखी है। आमिर खान ने कहा है कि हिंदी फिल्मों में सुधार की गुंजाइश है। आमिर खान ने हॉलीवुड रिपोर्टर इंडिया से बातचीत में कहा 'हम नहीं कहते कि हम बेहतर फिल्म निर्माता नहीं हो सकते। मेरे विचार से फिल्म निर्माता के तौर पर हमारे पास सुधार की बहुत गुंजाइश है। हमने कई इंडस्ट्रीज से सीखा है।' आमिर के मुताबिक अगर आप 70 और 80 के दशक की फिल्मों को देखें तो उसके बाद से फिल्में और बेहतर हुई हैं ऐसे में अगर मेहनत की जाए तो और बेहतर हो सकती हैं। आमिर ने कहा 'जब हम 1988 में आए थे तो उस वक्त फिल्मों की संख्या बहुत कम थी। उसके बाद से हमने तरक्की की है। 90 के दशक के बाद जब 2000 आया तो दशक बदल गए। वह बहुत खुले हुए और दूसरी तरह की सामग्री देखना चाहते थे।' आमिर से पूछा गया कि वह बॉलीवुड की मौजूदा हालत को बदलने के लिए क्या करना चाहते हैं? इस पर उन्होंने कहा 'मैं बस वही करना चाहता हूं जो मैं कर रहा हूं और वही कहानियां बताना चाहता हूं जिन पर मेरा यकीन है। मैं ऐसा व्यक्ति नहीं हूं जो अपने बारे में कोई बड़ी राय रखता हो कि मैं चीजों को बदल सकता हूं। मैंने कभी अपने बारे में ऐसी राय नहीं रखी।

खबर संक्षेप

पहली और छठवीं में प्रवेश के लिए आवेदन

मनेन्द्रगढ़। विशेष पिछड़ी जनजाति बैगा के विद्यार्थियों के लिए शैक्षणिक सत्र 2025-26 में कक्षा पहली और छठवीं में प्रवेश के लिए बैगा आवासीय विद्यालय नौढ़िया, विकासखंड भरतपुर, जिला मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर में आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। यह विद्यालय विशेष पिछड़ी जनजातियों के लिए संरक्षण सह विकास योजना (केन्द्रीय क्षेत्रीय योजना) अंतर्गत संचालित किया जा रहा है। विद्यालय में कक्षा पहली में 10 बालक एवं 10 बालिकाओं तथा कक्षा छठवीं में 10 बालक एवं 10 बालिकाओं को प्रवेश दिया जाएगा। इच्छुक विद्यार्थी के पालक 20 मई तक निर्धारित प्रारूप में आवेदन मंडल संयोजक कार्यालय, विकासखंड भरतपुर, जिला मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर से प्राप्त कर कार्यालयीन समय में जमा कर सकते हैं।

पेड़ काट रहे मजदूर पर गिरी डगाल, मौत

सोनगरा। नीलगिरी पेड़ काट रहे मजदूर पर एक बड़ा डंगाल गिर जाने से गंभीर रूप से घायल हो गया। मजदूर को तत्काल अस्पताल ले जाया गया जहां चिकित्सकों ने उसे जांच उपरांत मृत घोषित कर दिया। मजदूर उत्तर प्रदेश से मजदूरी करने आया था। जानकारी के अनुसार उत्तर प्रदेश से छत्तीसगढ़ मजदूरी करने आया मोहम्मद जुल्फेकार (35) नीलगिरी के पेड़ों की कटाई कर रहा था। इसी दौरान मशीन की तेज गड़गड़ाहट के बीच अचानक एक डंगाल उसके सीने पर आ गिरी वहीं मोटा टहनी उसके सीने में धस गया। घटना को देख उसके मजदूर साथियों ने हिम्मत दिखाते हुए उसे भैयाथान अस्पताल पहुंचाया। चिकित्सकों ने मजदूर की हालत गंभीर होने पर सूरजपुर रेफर कर दिया। घायल को सूरजपुर जिला अस्पताल लेकर जा रहे थे तभी रास्ते में मजदूर ने दम तोड़ दिया। मामले में पुलिस ने मर्ग कायम करने के पश्चात शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजन के सुपुर्द किया है। गौरतलब है कि पिछले छह महीनों से उत्तर प्रदेश के व्यापारी सूरजपुर और आसपास के जिलों में नीलगिरी, सेमर और कदम जैसे बेशकीमती पेड़ों की धड़ल्ले से कटाई करवा रहे हैं। हैरानी की बात ये है कि इस काम में लगे श्रमिकों के लिए न कोई सुरक्षा कवच है न किसी नियम-कायदों की परवाह। रोजाना सैकड़ों मजदूर बिना हेलमेट, सेफ्टी बेल्ट या किसी भी प्राथमिक सुरक्षा उपाय के जान जोखिम में डाल मजदूरी करने को मजबूर है। घटना के बाद गांव में शोक के साथ लोगों में काफी आक्रोश है। सामाजिक संगठनों और स्थानीय ग्रामीणों ने मांग की है कि इस हादसे की उच्च स्तरीय और निष्पक्ष जांच हो, मृतक जुल्फेकार के परिवार को पर्याप्त मुआवजा और सहायता दी जाए। साथ ही नीलगिरी समेत सभी पेड़ों की अवैध कटाई पर सख्त रोक लगाई जाए। श्रमिकों की सुरक्षा के लिए अनिवार्य नियम बनाए जाएं और कठोरता से लागू किए जाएं।

सीएम ने 20 अटल डिजिटल सुविधा केन्द्र का किया वर्चुअल शुभारंभ

डिजिटल सेवाओं की पहुंच अब गांव-गांव तक

बैकुण्ठपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने गुरूवार को राजधानी रायपुर से अटल डिजिटल सुविधा केन्द्र का वर्चुअल शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि पंचायती राज दिवस के खास मौके पर शुरू हुई इस योजना से छग के ग्रामीण इलाकों में डिजिटल क्रांति आएगी और प्रदेश के सरकारी सेवाओं और योजनाओं की पहुंच आम लोगों तक सुगम होगी।

मुख्यमंत्री ने राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि पंचायतें हमारे लोकतंत्र की जड़ें हैं और इन्हें मजबूत करना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने छग की जनता से वादा किया था कि ग्राम पंचायतों में नगद भुगतान की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी, ताकि ग्रामीणों को बैंक शाखाओं तक न जाना पड़े। आज मोदी की इस गारंटी को पूरा करते हुए अटल डिजिटल सुविधा केन्द्र का शुभारंभ किया गया। 24 अप्रैल को जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन ग्राम पंचायत जूनापारा में किया गया था। जिले के 20 ग्राम पंचायतों में अटल डिजिटल सुविधा केन्द्रों का मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय द्वारा वर्चुअल शुभारंभ किया गया।

वर्चुअल जुड़े सीएम।

जूनापारा में आयोजित जिला स्तरीय कार्यक्रम।

बैकुण्ठपुर एवं सोनहत जनपद पंचायत के 10-10 ग्राम पंचायतों में यह सुविधा प्रारंभ की गई है। कलेक्टर श्रीमती चंदन त्रिपाठी ने इस अवसर पर कहा कि अटल डिजिटल सुविधा केन्द्र से आम ग्रामीणों को खासकर महिलाओं को यहां-वहां भटकना नहीं पड़ेगा। उन्होंने कहा कि सीएससी के माध्यम से एक ही छत के नीचे विभिन्न सरकारी योजनाओं का पंजीयन, पासपोर्ट आवेदन, वित्तीय समावेशन सेवाएं, नागरिक सुविधाओं की पहुंच, जन्म/मृत्यु पंजीयन एवं प्रमाण पत्र, नगद आहरण, आय, निवास, जाति प्रमाण पत्र, फंड ट्रांसफर, बिजली बिल भुगतान, विवाह पंजीयन, राजस्व सेवाएं के लिए आवेदन, पेंशन, ई-डिस्ट्रक्ट सेवाओं के माध्यम से प्रमाण पत्र मिलेगा। उन्होंने कहा कि फिलहाल जिले के 20 ग्राम पंचायतों में यह सुविधा शुरू की गई है। आने वाले समय में अन्य ग्राम पंचायतों में यह सुविधा प्रारंभ की जाएगी।

कलेक्टर ने मोर गांव, मोर पानी अभियान के बारे में कहा कि कोरिया में आवा पानी झोंकी अभियान जनभागीदारी के तहत शुरू की गई है, ताकि भू-जल स्तर को बढ़ाया जा सके। उन्होंने सभी जिलेवासियों से अपील करते हुए कहा कि बेवजह बहते पानी को रोकना होगा। सोख्ता बनाना होगा, हरियाली बढ़ाना होगा, इसके लिए हर व्यक्ति को पानी बचाने के लिए आगे आना होगा। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष मोहित पैकरा, जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्रीमती वंदना राजवाड़े, सदस्य श्रीमती सौभाग्यवती सिंह कुसरो, जनपद सदस्य श्रीमती धर्मवती राजवाड़े, पूर्व भाजयुमो नेता अंचल किशोर राजवाड़े, ग्राम सरपंच सहित काफी संख्या में ग्रामीण एवं अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

प्रत्येक घर में बनेगा वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम

मनेन्द्रगढ़। कलेक्टर डी. राहुल वेंकट के निर्देशन एवं जिला पंचायत सीईओ श्रीमती अंकिता सोम के मार्गदर्शन में गुरूवार को ग्राम पंचायत ताराबहरा, जनपद पंचायत मनेन्द्रगढ़ में एक विशेष ग्रामसभा का आयोजन किया गया। इस ग्रामसभा में जल संरक्षण को लेकर एक ऐतिहासिक और सर्वसम्मत संकल्प पारित किया गया। ग्रामवासियों ने सामूहिक रूप से यह संकल्प लिया कि गांव के प्रत्येक घर में वर्षा जल संचयन (वाटर हार्वेस्टिंग) की संरचना बनाई जाएगी, जिससे बहुमूल्य वर्षा जल व्यर्थ न बहे। साथ ही जल के महत्व को समझते हुए गांव में जनजागरूकता फैलाने का भी निश्चय किया गया। ग्रामसभा ने यह भी तय किया कि पारंपरिक जल स्त्रोतों जैसे कुएं, बावड़ी, तालाब आदि की नियमित सफाई एवं संरक्षण को सभी ग्रामवासी अपना नैतिक कर्तव्य समझेंगे। जल संरक्षण से जुड़े हर कार्य में सक्रिय भागीदारी निभाने और अगली पीढ़ियों को जल संकट से बचाने के लिए निरंतर जागरूकता फैलाने का भी संकल्प लिया गया। ग्रामसभा के सभी सदस्यों ने यह जिम्मेदारी भी ली कि वे स्वयं, सार्वजनिक एवं शासकीय भवनों में वाटर हार्वेस्टिंग संरचना की निगरानी करेंगे। गौरतलब है कि इस संकल्प के अनुसार जिले में जनपद पंचायत वार फाइल फोल्डर तैयार कर विशेष वाहक द्वारा 25 अप्रैल को जनपद स्तर पर, 26 अप्रैल को जिला स्तर पर और 28 अप्रैल को संचालनालय को संकलित प्रतिवेदन प्रस्तुत किया जाएगा।

मनरेगा कार्यों की निगरानी होगी डिजिटल

बैकुण्ठपुर। महात्मा गांधी राष्टीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के अंतर्गत जिले में संचालित निर्माण कार्यों की निगरानी और मूल्यांकन अब और अधिक पारदर्शी और समयबद्ध होगी। कलेक्टर श्रीमती चंदन त्रिपाठी के निर्देश पर कोरिया जिले में ईएमबी (ई-मेजरमेंट बुक) मॉड्यूल को तत्काल प्रभाव से लागू किया गया है। कलेक्टर श्रीमती त्रिपाठी ने सभी एजेंसियों से अपेक्षा की है कि वे इस मॉड्यूल का शत-प्रतिशत पालन करें और निर्धारित समय-सीमा में कार्यों का मूल्यांकन एवं सत्यापन कराना सुनिश्चित करें।

इस संबंध में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ. आशुतोष चतुर्वेदी ने बताया कि सभी जनपद पंचायतों, निर्माण एजेंसियों, मनरेगा अधिकारियों और तकनीकी टीमों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी कर दिए गए हैं। ईएमबी मॉड्यूल के माध्यम से प्रत्येक मनरेगा कार्य का मूल्यांकन मस्टररोल समाप्ति के 5 दिवस के भीतर तकनीकी सहायक द्वारा किया जाएगा, और अगले 5 दिवस में ऑनलाइन सत्यापन संबंधित इंजीनियर अथवा अधिकारी द्वारा किया जाएगा। इस नई व्यवस्था के तहत कार्यों का मूल्यांकन और सत्यापन ऑनलाइन प्लेटफॉर्म नरेगा सॉफ्ट में दर्ज किया जाएगा, जिससे मजदूरों को मस्टररोल समाप्ति के 10 दिनों के भीतर मजदूरी का भुगतान किया जा सकेगा।

जिला पंचायत।

सीईओ डॉ. चतुर्वेदी ने बताया कि ईएमबी मॉड्यूल का क्रियान्वयन भारत सरकार के ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा 10 मार्च से पूरे प्रदेश में प्रारंभ किया गया है और अब कोरिया जिले में इसे पूर्णरूप से लागू कर दिया गया है, इससे ना केवल भुगतान प्रक्रिया तेज और पारदर्शी होगी, बल्कि मैदानी स्तर पर कार्य कर रहे अधिकारियों और कर्मचारियों की जवाबदेही भी सुनिश्चित होगी।

अटल डिजिटल सुविधा केन्द्र का शुभारंभ

एमसीबी कलेक्टर डी. राहुल वेंकट के निर्देशन एवं जिला पंचायत सीईओ अंकिता सोम के मार्गदर्शन में गुरूवार को जिले की समस्त ग्राम पंचायतों में राष्टीय पंचायती राज दिवस पर विशेष ग्राम सभाओं का आयोजन किया गया। इस अवसर पर ग्राम पंचायत चनवारीडांड़ में भी उत्साहपूर्वक कार्यक्रम संपन्न हुआ। कार्यक्रम की शुरूआत प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मधुबनी, बिहार से प्रसारित वर्चुअल संबोधन के साथ हुई, जिसे ग्राम पंचायत के जनप्रतिनिधियों, ग्रामीण जन, अधिकारी एवं कर्मचारियों ने एक साथ देखा और सुना। प्रधानमंत्री के विचारों ने ग्रामीण विकास की दिशा में नई प्रेरणा दी। ग्राम सभा के दौरान पंचायत सचिव द्वारा उपस्थित ग्रामीणजन को एजेंडा बिंदुवार जानकारी दी गई। इसमें विकास योजनाओं से लेकर पंचायत की भूमिका तक की विस्तृत जानकारी साझा की गई। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण रहा अटल पंचायत डिजिटल सुविधा केन्द्र का उद्घाटन, जिसे जिला पंचायत सदस्य उजीत नारायण सिंह ने फीता काटकर किया। इस सुविधा केन्द्र के माध्यम से अब ग्रामीणजन को बैंकिंग, सरकारी योजनाओं की जानकारी, दस्तावेजों की ऑनलाइन सेवाएं एवं अन्य डिजिटल सुविधाएं ग्राम पंचायत स्तर पर ही सुलभ होंगी। इस अवसर पर जल संरक्षण एवं जल संवर्धन, एक राष्ट-एक चुनाव जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर जागरूकता फैलाते हुए सभी उपस्थितजन ने स्वच्छता की शपथ भी ली। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जिला पंचायत सदस्य उदित नारायण सिंह, जनपद सदस्य रविशंकर, जनपद सीईओ वैशाली सिंह, जिला सलाहकार राजेश जैन, विकास विस्तार अधिकारी कमल किशोर जायसवाल, दीपक सिंह, अनूप श्रीवास्तव, तकनीकी सहायक सोनू राव एवं ग्राम सरपंच सहित काफी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

विद्यालय की छात्राओं को मिला इंटर्नशिप का सर्टिफिकेट

बैकुण्ठपुर। शासकीय उच्चतर माध्यमिक शाला शिक्षा विभाग व्यवसायिक शिक्षा के अंतर्गत छात्रों का इंटर्नशिप (कम्प्यूटर प्लाजा) संस्था में कराया गया, राज्य सरकार की योजना के आधार पर छात्रों के सर्वांगीण विकास और कंप्यूटर के बढ़ते महत्व को उनके भविष्य को उज्जवल करने एवं कंप्यूटर की जानकारी लेनी के लिए संस्था के डायरेक्टर रितेश राजवाड़े एवं सभी स्टाफ ने विद्यार्थियों के भविष्य एवं उनसे संबंधित प्रश्नों का सवाल जवाब सफलतापूर्वक संचालित किया गया।

इस कार्यक्रम में विद्यार्थी की विद्यालय के छात्राओं ने इंटर्नशिप कर विभिन्न प्रकार की जानकारी को अर्जित किया और उनके सुनहरे भविष्य को लेकर डायरेक्टर एवं स्टाफ ने उज्जवल भविष्य की कामना की। इंटर्नशिप के अंतर्गत विभिन्न प्रकार के सॉफ्टवेयर नौकरी के अवसर और स्टार्टअप से संबंधित विद्यार्थियों को जानकारी दी गई, जिससे विद्यार्थी उत्साहित रहे। इस कार्यक्रम में विद्यालय के प्राचार्य श्रीमती कृपा कल्याणी टोप्पो, व्यावसायिक प्रशिक्षक सुभाशीष जमादार उपस्थित रहे। प्राचार्य एवं सभी विद्यालय के स्टाफ ने विद्यार्थियों के उज्जवल भविष्य की कामना की और आगामी वर्षों में व्यावसायिक शिक्षा का एक अलग पहचान पूरे भारत वर्ष में होगा और विद्यार्थी न केवल शिक्षित होंगे, बल्कि अपने जीवन उपार्जन के लिए भी इसका उपयोग करेंगे, जीविका में इसका महत्वपूर्ण योगदान से संबंधित जानकारी विद्यार्थियों को दी गई।

हाथियों ने रेवतपुर में किसानों की फसलों को पहुंचाया नुकसान

राजपुर। वन परिक्षेत्र में हाथियों का आतंक थमने का नाम नहीं ले रहा है। बीती रात पुनः हाथियों ने ग्राम रेवतपुर के चलकुपारा में जमकर उत्पात मचाया है। हाथियों ने किसानों के गन्ना और गेंहू की फसल को तबाह किया है। बता दें कि विगत 17 अप्रैल से तीन हाथियों का दल प्रतापपुर वन परिक्षेत्र से राजपुर वन परिक्षेत्र में पहुंचा था। हाथी वन परिक्षेत्र में प्रवेश कर धंधापुर, बदौली, अखोरा खुर्द, शिवपुर, रेवतपुर, कुंदीकला क्षेत्र में भ्रमण कर रहे और किसानों की फसलों को नुकसान पहुंचाने के साथ ही तोड़फोड़ कर रहे है। बीती रात भी हाथियों ने ग्राम रेवतपुर के चलकुपारा गांव में जमकर उत्पात मचाया। हाथियों ने किसानों के गेंहू, गन्ना की फसलों को नुकसान पहुंचाया है। हाथी की मौजूदगी से ग्रामीणों में दहशत का माहौल और लोग रतजगा करने को मजबूर है। बुधवार को वन विभाग की टीम द्वारा मौके पर पहुंचकर ग्रामीणों के मुआवजा प्रकरण तैयार किए गए इसके साथ ही ग्रामीणों को हाथियों से दूर रहने की सलाह दी जा रही है। वर्तमान में हाथी धंधापुर के कक्ष क्रमांक 2740 के जंगल में मौजूद है और वन विभाग द्वारा उनपर निगरानी रखी जा रही है।

एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन

मनेन्द्रगढ़। महात्मा गांधी राष्टीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के अंतर्गत संचालित कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जनपद पंचायत मनेन्द्रगढ़ में एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का संचालन मुख्य कार्यपालन अधिकारी के निर्देशन में किया गया। इसमें क्षेत्र में कार्यरत मैदानी अमलों जैसे रोजगार सहायक, बीएफटी एवं मेट्स ने भाग लिया। कार्यशाला में प्रतिभागियों को मनरेगा से संबंधित विभिन्न महत्वपूर्ण पहलुओं की विस्तृत जानकारी दी गई।

इसमें 7-पंजी संधारण, जॉब कार्ड का अद्यतन, मजदूरी भुगतान प्रक्रिया, रोजगार दिवस का निर्धारण, जन-मनरेगा पोर्टल का उपयोग, एनएमएमएस का क्रियान्वयन, आधार आधारित भुगतान प्रणाली, महिला सहभागिता को बढ़ावा देना, जॉब कार्ड सत्यापन, कार्यों का जियो टैगिंग, प्रधानमंत्री आवास योजना से समन्वय, ई-मस्टर रोल (ईएमबी), जलदूत ऐप का उपयोग, जल संवर्धन एवं संरक्षण तथा अन्य मनरेगा अनुमेय कार्यों की जानकारी शामिल रही। इसके साथ ही कार्यशाला में संगम अभियान कार्यक्रम का प्रशिक्षण प्रदान किया गया, जो कि ब्लॉक स्तरीय नोडल तकनीकी सहायक के मार्गदर्शन में आयोजित हुआ। इस प्रशिक्षण सत्र में पीओ-नरेगा, तकनीकी सहायक, सहायक प्रोग्रामर सहित बड़ी संख्या में मैदानी अमलों की सक्रिय भागीदारी रही। कुल 254 मेट्स ने इस कार्यशाला में उपस्थित होकर योजना के सफल क्रियान्वयन के लिए आवश्यक प्रशिक्षण प्राप्त किया। इस अवसर पर अधिकारियों ने बताया कि इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रमों से मैदानी अमलों की कार्यक्षमता में वृद्धि होगी और योजना के लक्ष्यों की प्राप्ति में सहायता मिलेगी। कार्यशाला का उद्देश्य न केवल योजना की प्रक्रियाओं को समझाना था, बल्कि योजनाओं के क्रियान्वयन में पारदर्शिता व जवाबदेही सुनिश्चित करना भी रहा।

न्यायालय सक्षम अधिकारी (व्यपवर्तन) एवं अनुविभागीय अधिकारी (रा.) खड़गवां जिला-मनेन्द्रगढ़ चिरमिरी भरतपुर (छ.ग.)

// उद्घोषणा //

रा.प्र.क्र./202504331300008/अ-2/2024-25

एतद् द्वारा सर्व साधारण ग्राम रतनपुर तहसील खड़गवां जिला मनेन्द्रगढ़ चिरमिरी भरतपुर (छ.ग.) को सूचित किया जाता है कि आवेदिका श्रीमती कान्ती जायसवाल पति श्री श्याम बिहारी जायसवाल जाति कलार निवासी ग्राम रतनपुर तहसील खड़गवां जिला मनेन्द्रगढ़ चिरमिरी भरतपुर (छ.ग.) द्वारा छ.ग. भू-राजस्व संहिता की धारा 172 के तहत ग्राम रतनपुर प.ह.नं. 12 रा.नि.मं. रतनपुर तहसील खड़गवां जिला मनेन्द्रगढ़ चिरमिरी भरतपुर (छ.ग.) में स्थित भूमि खसरा नम्बर 739/2, 739/3, 739/5 रकबा क्रमशः 0.36, 0.04, 0.09 हे. भूमि जो राजस्व अभिलेख में आवेदिका के नाम पर दर्ज है। आवेदिका द्वारा उक्त भूमि खसरा नम्बर 739/2, 739/3, 739/5 रकबा क्रमशः 0.36, 0.04, 0.09 हे. भूमि का औद्योगिक प्रयोजन हेतु भू-व्यपवर्तन किये जाने हेतु आवेदन पत्र, शपथ पत्र, नक्शा, खसरा, बी-1, मिसल अभिलेख वर्ष 1948-49, ले-आउट नक्शा, रिनम्बरिंग सूची, रजिस्ट्री की छायाप्रति तथा ग्राम पंचायत रतनपुर का अनापत्ति प्रमाण पत्र सहित प्रस्तुत किया गया है। जो इस न्यायालय में विचाराधीन है। अतएव उक्त भू-व्यपवर्तन के संबंध में जिस किसी को भी कोई आपत्ति हो तो वह स्वयं अथवा अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर इस न्यायालय में दिनांक 28/04/2025 को सायं 5:00 बजे तक आपत्ति पेश कर सकते हैं, निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त किसी भी प्रकार की आपत्तियों पर कोई सुनवाई नही होगी।

आज दिनांक 16/04/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा के अधीन जारी।

सक्षम प्राधिकारी (व्यपवर्तन) एवं अनुविभागीय अधिकारी (रा.) खड़गवां, जिला-एम.सी.बी. (छ.ग.)

कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.), चिरमिरी जिला-मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर (छ.ग.)

// ईश्तहार //

एतद् द्वारा सर्व साधारण आम जनता ग्राम अखराडांड़ प.ह.नं. 04 रा.नि.मं. उधनापुर थाना व तहसील चिरमिरी जिला-मनेन्द्रगढ़ चिरमिरी भरतपुर छ.ग. के समस्त ग्रामवासियों को सूचित किया जाता है कि आवेदिका श्रीमती कान्ती जायसवाल पति श्याम बिहारी जायसवाल निवासी ग्राम रतनपुर तहसील खड़गवां जिला-एम.सी.बी. (छ.ग.) के द्वारा छ.ग.रा.भू.रा. संहिता 1959 की धारा 172 के तहत् स्वयं की स्थित भूमि ग्राम अखराडांड़ तहसील चिरमिरी थाना खड़गवां जिला-मनेन्द्रगढ़ चिरमिरी भरतपुर (छ.ग.) में स्थित भूमि खसरा नं. 495/20, 552 रकबा 0.5800, 0.5500 हे. भूमि जो राजस्व अभिलेख में आवेदिका के नाम पर दर्ज है। आवेदिका के द्वारा उक्त भूमि खसरा नं. 495/20, 552 रकबा 0.5800, 0.5500 हे. भूमि को व्यवसायिक प्रयोजन हेतु भूमि व्यपवर्तन करने हेतु आवेदन पत्र, शपथ पत्र, नक्शा, खसरा, बी-1, मिसल अभिलेख वर्ष 1948-49, ले-आउट नक्शा, रिनम्बरिंग सूची, रजिस्ट्री की छायाप्रति एवं ग्राम पंचायत अखराडांड़ का अनापत्ति प्रमाण सहित प्रस्तुत किया गया है। जो इस न्यायालय में विचाराधीन है। अतएव उक्त भू-व्यपवर्तन के संबंध में जिस किसी को भी कोई आपत्ति हो तो वह स्वयं अथवा अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर इस न्यायालय में नियत दिनांक 02/05/2025 को सायं 05.00 बजे तक आपत्ति पेश कर सकते है, निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त किसी भी प्रकार की आपत्तियों पर कोई सुनवाई नही होगी।

आज दिनांक 17/04/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं पद मुद्रा के साथ जारी किया गया।

अनुविभागीय अधिकारी (रा.) चिरमिरी जिला एम.सी.बी. (छ.ग.)

मामूली विवाद पर भाई को उतारा मौत के घाट, आरोपी गिरफ्तार

अंबिकापुर। बलरामपुर जिले की त्रिकुंडा पुलिस ने मामूली विवाद पर भाई की हत्या के आरोप में युवक को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी से घटना में प्रयुक्त फावड़ा बरामद करने के साथ ही उसे जेल भेज दिया है।

पुलिस ने अनुसार ग्राम पलगी झामाटोला निवासी 52 वर्षीय सतन जगते ने पुलिस को सूचना दी कि 22 अप्रैल की रात 9 बजे वह अपनी पत्नी शांति के साथ घर के सामने खाट पर बैठा हुआ था। इसी दौरान त्रिकुंडा कोरहटी पारा निवासी गोवर्धन अपने छोटे भाई शिवनाथ कोडाकू के साथ उसके घर के पास आया और चारपाई पर बैठ गया। दोनों भाई शराब के नशे में थे, जब उन्होंने सतन जगते से तम्बाकू मांगा तो उसने उन्हें तम्बाकू खाने को दिया और उन्हें घर जाने को बोला लेकिन वे घर नहीं गए और चारपाई पर बैठे हुए थे। इस दौरान सतन जगते पत्नी के साथ घर के अन्दर खान खाने चला गया। खाना खाने के दौरान दोनों भाई के बीच किसी बात को लेकर बहस होने लगी। बहस के दौरान शिवनाथ ने अपने भाई गोवर्धन से बोलने लगा कि तुम्हारा घर उजाड़ दूंगा ऐसे में गोवर्धन ने भी उसे जवाब दिया कि तुम अपनी पत्नी की हत्या के बाद जेल काटकर बाहर आए हो और अब हमारा घर उजाड़ दोगे, इसी बात को लेकर आक्रोशित गोर्वधन ने पास में फावड़ा से अपने छोटे भाई शिवनाथ के सिर पर दो से तीन वार किया और खाट से उतारकर जमीन पर गिरा दिया। भाई की हत्या के बाद आरोपी फावड़ा को छिपाकर भागने लगा।